केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 257 रविवार 12 अप्रैल 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

छत पर अचेत मिला 12 वर्षीय बालक, इलाज के दौरान मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बनकटी (बस्ती)। लालगंज थाना क्षेत्र के थाल्हापार गांव में शनिवार को एक हृदयविदारक घटना सामने आई, जहां 12 वर्षीय बालक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया।

जानकारी के अनुसार, थाल्हापार निवासी सतई चौधरी का परिवार खेत से गेहूं लाकर घर के निचले हिस्से में रख रहा था। इसी दौरान उनका 12 वर्षीय पुत्र आर्यन घर की छत पर बने कमरे में था। करीब सुबह 11 बजे उसकी बहन जब छत पर पहुंची तो आर्यन को अचेत अवस्था में पड़ा देख चीख–पुकार मचाने लगी।

शोर सुनकर मौके पर पहुंचे पड़ोसियों ने तत्काल आर्यन को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बनकटी पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला चिकित्सालय बस्ती रेफर कर दिया। लेकिन अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही आर्यन ने दम तोड़ दिया।

घटना के बाद परिजन शव को घर ले आए और अंतिम संस्कार कर दिया। सूचना मिलने पर पहुंची डायल 112 पुलिस तथा क्षेत्राधिकारी रुधौली कुलदीप सिंह यादव ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा की कार्रवाई सुलह–समझौते के आधार पर पूरी कराई।

बताया जाता है कि आर्यन चार बहनों और एक भाई में सबसे छोटा था तथा कॉन्वेंट स्कूल गंगौरा में कक्षा 2 का छात्र था। उसके पिता खेती–बाड़ी कर परिवार का पालन–पोषण करते हैं। इस घटना से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है।

शिक्षामित्र पर कुल्हाड़ी से हमला, हालत गंभीर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । सोनहा थाना क्षेत्र के जांता गांव में शनिवार सुबह एक शिक्षामित्र पर कुल्हाड़ी से हमला किया गया। गंभीर रूप से घायल शिक्षामित्र को जिला अस्पताल रेफर किया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। जानकारी के अनुसार, सल्टौआ विकास खंड में तैनात शिक्षामित्र रत्नेश चौधरी रोज की तरह शनिवार सुबह अपने स्कूल जा रहे थे। जांता गांव के पास पहले से घात लगाए अज्ञात हमलावरों ने उन पर अचानक कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। हमले में रत्नेश गंभीर रूप से घायल होकर मौके पर ही गिर पड़े।

रत्नेश की चीख–पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों को आता देख हमलावर फरार हो गए। ग्रामीणों ने घायल शिक्षामित्र को तुरंत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सल्टौआ पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही सोनहा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच–पड़ताल शुरू कर दी है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और हमलावरों की पहचान में जुटी हुई है। प्रारंभिक जांच में पुरानी रंजिश या आपसी विवाद की आशंका जताई जा रही है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

ईरान–अमेरिका के बीच इस्लामाबाद में सीज फायर वार्ताः ईरान बोला- बैठक फेल हुई तो अमेरिका और इजराइल जिम्मेदार

इस्लामाबाद (आभा)। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में ईरान और अमेरिका के बीच जारी सीजफायर वार्ता एक्सपर्ट लेवल पर पहुंच गई है। इनमें सुरक्षा, राजनीति, सेना, अर्थव्यवस्था और कानून से जुड़े लोग शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों देशों के नेता सीधे बातचीत कर रहे हैं। बैठक में पाकिस्तानी प्रतिनिधि भी मौजूद हैं। हालांकि अभी तक इस बातचीत की कोई तस्वीर नहीं आई है।

अमेरिका का नेतृत्व उपराष्ट्रपति जेडी वेंस कर रहे हैं, जबकि ईरान का नेतृत्व संसद स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ कर रहे हैं। 47 साल पहले यानी 1979 में ईरान की इस्लामिक क्रांति के बाद ये पहली बार है जब दोनों देश इतने बड़े स्तर पर आमने–सामने बातचीत कर रहे हैं। इससे पहले ईरान ने कहा था कि अगर इस्लामाबाद में चल रही बातचीत किसी नतीजे पर नहीं पहुंची, तो सिर्फ इजराइल को दोष नहीं दिया जा सकता। इजराइल और अमेरिका के फैसले जुड़े हैं, इसलिए वार्ता फेल होने पर जिम्मेदारी अमेरिका पर भी होगी। पाकिस्तानी आर्मी चीफ आसिम मुनीर शुक्रवार रात ईरानी डेलिगेशन को रिसीव करने एयरपोर्ट पहुंचे थे।

ट्रम्प की चेतावनी– डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को चेताया कि पीस डील नहीं हुई तो अमेरिका फिर से हमला करेगा।

वेंस की सलाह– वेंस ने इस्लामाबाद जाते हुए कहा कि उन्हें बातचीत से अच्छे नतीजों की उम्मीद है, लेकिन ईरान अमेरिका के साथ चालाकी न करे। एक और शांतिवार्ता– लेबनान और इजराइल के बीच 14 अप्रैल को अमेरिका में सीजफायर पर बातचीत शुरू होगी।– इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरानी नेताओं के बीच सीजफायर वार्ता समाचार लिखे जाने तक जारी है।

फिरौती मामले का खुलासा, तीन गिरफ्तारः दो युवक बरामद

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बनकटी (बस्ती)। थाना लालगंज पुलिस ने वाराणसी पुलिस के सहयोग से सराहनीय तत्परता दिखाते हुए बंधक बनाकर फिरौती मांगने वाले गिरोह का कुछ ही घंटों में पर्दाफाश कर दिया। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर दो युवकों को सकुशल बरामद कर लिया है। इस उत्कृष्ट कार्य के लिए डीजीपी ने टीम को 50,000 का पुरस्कार देने की घोषणा की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना लालगंज क्षेत्र के ग्राम कोहरसा निवासी मनोज कुमार उपाध्याय ने 10 अप्रैल 2026 को पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उनका पुत्र अनय उपाध्याय 8 अप्रैल को वाराणसी घूमने गया था। 9 अप्रैल को अज्ञात बदमाशों ने उसे बंधक बना लिया और उसके मोबाइल से कॉल कर परिजनों से फिरौती की मांग की। इसके बाद मोबाइल स्विच ऑफ कर दिया गया। अनय के साथ उसका साथी राहुल उपाध्याय भी मौजूद था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए लालगंज पुलिस ने तत्काल न्याय संगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी। उच्चाधिकारियों के निर्देश पर पुलिस टीम तुरंत वाराणसी के लिए रवाना हो गई।

वाराणसी पुलिस के सहयोग से मोबाइल लोकेशन ट्रेसिंग और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दोनों युवकों को थाना लालपुर–पाण्डेयपुर क्षेत्र के गोइठहां चौराहा स्थित एक रेस्टोरेंट से सकुशल बरामद कर लिया गया।

इस दौरान पुलिस ने घटना में शामिल तीन अभियुक्तों कृ शरीयत उल्ला (झारखंड), जसवंत सिंह और अभिजीत सिंह (दोनों बिहार निवासी) कृ को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के कब्जे से तीन मोबाइल फोन और एक फॉर्च्यूनर वाहन भी बरामद किया गया है।

पुलिस की इस त्वरित और प्रभावी कार्रवाई से क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर विश्वास बढ़ा है, वहीं आमजन और अधिकारियों ने लालगंज पुलिस टीम की सक्रियता और सूझबूझ की जमकर सराहना की है।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष समेत कई नेताओं पर गंभीर धाराओं में मुकदमा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । कांग्रेस जिलाध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी समेत कई लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। इन पर विधि–विरुद्ध जमाव कर शांति व्यवस्था भंग करने, पुतला दहन और भड़काऊ टिप्पणियां करने का आरोप है। यह कार्रवाई 10 अप्रैल की शाम झंडा चौराहा क्षेत्र में हुई घटना के बाद की गई।

पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने बिना अनुमति के झंडा चौराहा से लगभग 3.5 किलोमीटर पश्चिम में एकत्र होकर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा का पुतला फूंका। इस दौरान कुछ व्यक्तियों ने एक वर्ग विशेष और समुदाय के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां भी कीं। इससे क्षेत्र में तनावपूर्ण माहौल बन गया और शांति व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका उत्पन्न हुई।

इस मामले में उपनिरीक्षक अजय सिंह की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। आरोपियों में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के जिलाध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी, अनिल भारती, शौकत अली, आलिम भाई और शुभम गांधी सहित अन्य लोग शामिल हैं।

नकली नोट गिरोह का भंडाफोड़ः पांच गिरफ्तार, 4.20 लाख रुपए के नकली नोट, 7 फोन बरामद

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जनपद पुलिस ने अंतरजनपदीय नकली नोट गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में पांच अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। उनके पास से 4 लाख 20 हजार रुपये के नकली नोट, सात एंड्रॉयड मोबाइल फोन और तीन मोटरसाइकिलें बरामद की गई हैं।

गिरफ्तारी शनिवार को बक्सई तिराहे पर संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग के दौरान हुई। मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने बक्सई घाट पुल के पास घेराबंदी कर मुस्तफा, नबीउल्लाह, नबीउल्लाह उस्मानी, हबीबुर्रहमान और मणिकांत चौधरी को पकड़ा। तलाशी में 500, 200 और 100 रुपये के नकली नोटों की गड्डियां मिलीं।

पूछताछ में आरोपियों ने अपने ठगी के तरीके का खुलासा किया। वे बैंक के आसपास घूमकर ग्राहकों को दोगुना पैसा देने का लालच देते थे। नकली नोटों की गड्डी में ऊपर और नीचे असली नोट लगाकर लोगों को विश्वास में लेते थे, और बदले में असली रकम लेकर फरार हो जाते थे। यह गिरोह बस्ती के अलावा अयोध्या, अम्बेडकरनगर, सिद्धार्थनगर और संतकबीरनगर जिलों में भी सक्रिय था। पुलिस के अनुसार, गिरोह के कुछ सदस्य पहले भी नकली नोट और धोखाधड़ी के मामलों में जेल जा चुके हैं। नबीउल्लाह उस्मानी और हबीबुर्रहमान का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है।

अपर पुलिस अधीक्षक श्यामकांत ने बताया कि यह एक संगठित गिरोह था जो सुनियोजित तरीके से आम लोगों को ठगता था। बरामदगी से इनके बड़े नेटवर्क की पुष्टि होती है।

उन्होंने कहा कि गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश की जा रही है और ऐसे अपराधों पर कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी। इस संबंध में वाल्टरगंज थाने में विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

ज्योतिबा फुले ने दलितों, वंचितों को उत्पीड़न से मुक्ति दिलाने के लिये संघर्ष किया–महेन्द्रनाथ यादव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । शनिवार समाजवादी पार्टी कार्यालय पर को महान क्रांतिकारी, भारतीय विचारक, समाजसेवी, लेखक एवं दार्शनिक महात्मा ज्योतिराव गोविंदराव फुले को उनकी जयन्ती पर याद किया गया । सपा जिलाध्यक्ष एवं बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने ज्योतिबा फुले को नमन् करते हुये कहा कि उन्होने दलितों और वंचितों को न्याय दिलाने के लिए सत्य शोधक समाज की स्थापना की थी। इसका प्रमुख उद्देश्य शूद्रों–अतिशूद्रों को न्याय दिलाना, उन्हें शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करना, उन्हें उत्पीड़न से मुक्ति दिलाना, वंचित वर्ग के युवाओं के लिए प्रशासनिक क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना आदि शामिल था।

-समाजवादियों ने जयन्ती पर ज्योतिबा फुले को किया नमन्ः योगदान पर चर्चा

सपा विधायक नेता समीर चौधरी, आर.डी. निषाद, हरीश नेता, अभिषेक यादव, मो. सलीम, विशाल सोनकर, जावेद पिण्डारी, रजवन्त यादव ने कहा कि उस समय महाराष्ट्र में जाति–प्रथा बड़े ही वीभत्स रूप में फैली हुई थी। स्त्रियों की शिक्षा को लेकर लोग उदासीन थे, ऐसे में ज्योतिबा फुले ने समाज को इन कुरीतियों से मुक्त करने के लिए बड़े पैमाने पर आंदोलन चलाए। उन्होंने महाराष्ट्र में सर्वप्रथम महिला शिक्षा तथा अछूतोद्धार का कार्य आरंभ किया था। पुणे में लड़कियों के लिए भारत का पहला विद्यालय खोला। ऐसे महान लोगों को सदैव याद करना चाहिए।

सपा नेता रविकान्त निषाद, विश्वम्भर चौधरी, संदीप राजभर, श्याम यादव, रामप्रीत यादव, सनातन चौधरी, सुशील यादव, बजेश चौधरी, रामवृक्ष यादव, सुनील चौधरी, ज्ञानदास मौर्य, युनूस आलम आदि ने ज्योतिबा फुले के योगदन पर विस्तार से प्रकाश डाला। कहा कि उनकी समाज सेवा से प्रभावित होकर 1888 में मुंबई की एक सभा में उन्हे महात्मा की उपाधि से नवाजा गया।

महात्मा ज्योतिराव गोविंदराव फुले को नमन करने वालों में सुबराती, पंकज निषाद, रामभवन यादव, अभिमन्यु शुक्ल, दिवाकर त्रिपाठी, लालमन यादव, नित्यराम चौधरी, इन्द्रजीत यादव, जितेन्द्र यादव, राम बहाल चौधरी, प्रशान्त कुमार, नरेन्द्र प्रसाद चौधरी, अवधेश सोनकर, जहीर अहमद, जोखू यादव, अली अहमद आदि शामिल रहे।

साइबर अपराध के लिए मोबाइल सप्लाई करने वाले गैंग के सरगना समेत तीन गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । साइबर क्राइम थाना की टीम ने एक बड़े गैंग का पर्दाफाश किया है। यह गैंग गांव–गांव घूमकर पुराने मोबाइल खरीदता था और उन्हें साइबर अपराध में उपयोग कराने वाले अपराधियों तक पहुंचाता था। पुलिस ने गैंग के सरगना समेत तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है और उनके कब्जे से भारी मात्रा में मोबाइल व इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए हैं।

साइबर थाना प्रभारी निरीक्षक कुलदीप कुमार त्रिपाठी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई की। टीम ने हड़िया चौराहे से मेहदावल रोड पर भरवलिया शिव मंदिर के पास घेराबंदी कर तीनों आरोपियों को दबोच लिया। गिरफ्तार अभियुक्तों में श्यामपाल कश्यप (बरेली), मिराजुल रहमान शेख और अतीकुर रहमान (दोनों मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल) शामिल हैं।

पुलिस के अनुसार, आरोपियों के कब्जे से 156 एंड्रॉयड मोबाइल, 180 कीपैड मोबाइल, 285 फोन मदरबोर्ड, एक डीसी मशीन, एक पावर बूट केबल तथा 21,200 रुपये नकद बरामद किए गए हैं। बरामदगी के आधार पर साइबर क्राइम थाना में मुकदमा संख्या 08ध्2026 के तहत संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि सरकार द्वारा साइबर अपराध में इस्तेमाल होने वाले मोबाइल के प्डम्प नंबर ब्लॉक किए जाने के बाद वे गांव–गांव से पुराने मोबाइल खरीदते थे। इन मोबाइलों को कोलकाता ले जाकर दुकानदारों के माध्यम से साइबर अपराधियों तक पहुंचाया जाता था। अपराधी इन मोबाइल के मदरबोर्ड में मौजूद इनबिल्ट IMEI का इस्तेमाल कर ठगी जैसी वारदातों को अंजाम देते थे।

नदियों के प्रदूषण को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता सुदामा भूख हड़ताल पर : प्रशासन को दिया चेतावनी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मनोरमा, कुआनो और रामरेखा नदियों के बढ़ते प्रदूषण के खिलाफ आंदोलन तेज हो गया है। सामाजिक कार्यकर्ता चंद्रमणि पांडे श्सुदामाश जिलाधिकारी कार्यालय परिसर में पिछले पांच दिनों से भूख–हड़ताल पर हैं। प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस कार्ययोजना सामने नहीं आई है, जिससे जन आक्रोश बढ़ रहा है। अवकाश के दिन भी धरना स्थल पर गतिविधियां जारी रहीं। आंदोलनकारियों ने नायब तहसीलदार, बस्ती सदर को एक ज्ञापन सौंपा। इसमें नदियों की सफाई और पुनर्जीवन के लिए समयबद्ध एवं पारदर्शी कार्ययोजना तत्काल घोषित करने की मांग की गई।

उन्होंने प्रदूषण नियंत्रण, गाद निकासी और जल प्रवाह बहाली के लिए विभागवार जवाबदेही तय करने तथा पूरी प्रक्रिया की निगरानी के लिए प्रभावी तंत्र स्थापित करने की भी मांग की।

चंद्रमणि पांडे 'सुदामा' ने स्पष्ट किया कि यह आंदोलन केवल एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के अस्तित्व से जुड़ा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही लिखित रूप में ठोस कार्ययोजना प्रस्तुत कर भूख–हड़ताल समाप्त कराने का प्रयास नहीं किया गया, तो सोमवार से आंदोलन और व्यापक तथा उग्र रूप धारण करेगा। इसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। धरने को समर्थन देने के लिए बड़ी संख्या में नागरिक और सामाजिक कार्यकर्ता भी पहुंचे। इनमें देवशरण शुक्ल, दिग्विजय नाथ पांडे, राजीव पांडे, महेंद्र प्रताप सिंह, राहुल विश्वकर्मा और नरेंद्र देव उपाध्याय प्रमुख रूप से शामिल थे। आंदोलनकारियों का कहना है कि दूषित नदियां अब केवल पर्यावरण का नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य और भविष्य के लिए एक गंभीर संकट बन चुकी हैं।

बसपा ने जयन्ती पर ज्योतिबा फूले को किया नमन्ः योगदान पर विमर्श

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । शनिवार को बहुजन समाज पार्टी जिलाध्यक्ष जयहिन्द गौतम के संयोजन में पालिटेक्निक चौराहे के निकट एक निजी हाल में 19 वीं सदी के प्रमुख भारतीय समाज सुधारक, विचारक और क्रांतिकारी कार्यकर्ता महात्मा ज्योतिबा फुले को जयन्ती पर याद किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य मण्डल प्रभारी धर्मदेव प्रियदर्शी ने कहा कि ज्योतिबा फुले ने जाति व्यवस्था, छुआछूत, महिला उत्पीड़न के खिलाफ लड़ाई लड़ी और शिक्षा के प्रसार में ऐतिहासिक योगदान दिया। 1873 में उन्होंने 'सत्यशोधक समाज' की स्थापना की, जिसका उद्देश्य वंचित वर्गों को समानता और न्याय दिलाना था।

इसी कड़ी में मुख्य मण्डल प्रभारी कल्पनाथ बाबूजी, उदयभान, के.के. गौतम, लवकुश पटेल ने कहा कि ज्योतिबा फुले और उनकी पत्नी सावित्रीबाई फुले ने 1848 में पुणे में लड़कियों के लिए भारत का पहला स्कूल खोला। उन्होंने विधवा पुनर्विवाह का समर्थन किया और बाल विवाह तथा कन्या भ्रूण हत्या जैसी कुरीतियों के खिलाफ संघर्ष किया। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा।

–बहन मायावती ने सपा के सच को उजागर कर दिया–जयहिन्द गौतम

बसपा जिलाध्यक्ष जयहिन्द गौतम ने बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुश्री मायावती द्वारा एक्स पर किये गये पोस्ट की जानकारी देते हुये कहा कि बहन जी ने समाजवादी पार्टी और उसकी पीडीए की रणनीति पर तीखा हमला बोला है। उन्होने महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती के सहारे समाजवादी पार्टी के चरित्र को भी उजागर किया है। उन्होने एक्स पर पोस्ट कर ज्योतिबा फुले को नमन किया और सपा पर जातिगत द्वेष के चलते महापुरुषों के नाम पर बनाए गए जिलों के नाम बदलने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यही सपा के पीडीए का चरित्र है। सुश्री मायावती ने सोशल मीडिया पर लिखा है कि देश में सामाजिक परिवर्तन के पितामह के रूप में प्रसिद्ध 'बहुजन समाज' में अति–पिछड़े वर्ग में जन्मे महात्मा ज्योतिबा फुले को उनकी जयंती पर मेरे व बीएसपी की ओर से भी शत–शत् नमन व अपार श्रद्धा सुमन अर्पित। खासकर शिक्षा के माध्यम से स्त्री/नारी शक्ति के प्रणेता के रूप में महात्मा ज्योतिबा फुले व उनकी पत्नी सावित्रीबाई फुले का नाम इतिहास के पन्नों में सुनहरे अक्षरों में दर्ज है। उन्होंने फुले के प्रसिद्ध कथन "विद्या बिना मति गई" का उल्लेख करते हुए कहा कि शिक्षा के अभाव ने ही शोषित समाज को पीछे रखा और इसीलिए आगे चलकर डा. बीआर आंबेडकर ने भी इसी विचारधारा से प्रेरणा लेकर शिक्षा को सामाजिक मुक्ति का आधार बनाया। सुश्री मायावती ने कहा कि ऐसे अति–पिछड़े व पिछड़े समाज के महापुरुष की स्मृति व उनके सम्मान में हमारी बसपा सरकार ने बहुत काम किया था। अमरोहा को ज्योतिबा फुले नगर के नाम से नया जिला बनाया था, परंतु सपा सरकार ने अपनी संकीर्ण राजनीति व जातिवादी द्वेष कारण इसका नाम बदल दिया था। कहा कि बहन जी से सपा का वास्तविक चरित्र उजागर कर दिया है।

महात्मा ज्योतिबा फुले को जयन्ती पर नमन् करने वालों में संजय धूसिया, राजेन्द्र प्रसाद, राम सरोज, सीताराम शास्त्री, राना अम्बेडकर, आशुतोष सिंह, अलीम अहमद, प्रमोद कुमार, दीपक कुमार, के.सी. मौर्य, के.पी. राठौर, अनूप कुमार, राजेश प्रताप सिंह, रामानुज भाष्कर एडवोकेट, महेन्द्र कुमार, यशवन्त निगम, दीपलाल भारती आदि शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मैं इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 12 अप्रैल 2026 रविवार

सम्पादकीय

खतरे में भविष्य

इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि जिन नौनिहालों को हम देश का भविष्य मानते हैं, उनमें से बहुत सारे बच्चे आज बहुस्तरीय जोखिम के बीच से गुजर रहे हैं। बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों के अनेक रूप के अलावा बाल तस्करी का संजाल आज इस कदर जटिल होता जा रहा है कि इससे निपटना सरकारों के लिए एक बड़ी चुनौती बन गई है। हालांकि इस अपराध को काबू में करना और बच्चों को इस खतरे से बचाना सरकार की अनिवार्य जिम्मेदारी और सबसे ऊपर की प्राथमिकता में दर्ज होना चाहिए। मगर हालत यह है कि देश के सुप्रीम कोर्ट को इस बारे में केंद्र और राज्य सरकारों को निर्देश देना पड़ रहा है कि वे बच्चों के खिलाफ इस अपराध को गंभीरता से लें।

भारत में बच्चों के लापता होने के मामले चिंताजनक हैं, 1 जनवरी 2025 से 31 जनवरी 2026 के बीच देश में 33,577 बच्चे गायब हुए, जिनमें से 7,777 अब तक नहीं मिले हैं। दिल्ली में 2026 के शुरुआती दिनों में ही 800 से अधिक लोग लापता हुए, जिनमें से कई बच्चे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इस पर चिंता जताते हुए केंद्र को सक्रिय गिरोह की जांच करने का निर्देश दिया है।

गौरतलब है कि एक याचिका पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने देश में बाल तस्करी के बढ़ते मामलों पर गहरी चिंता जताई और कहा कि संगठित गिरोह देशभर में सक्रिय हैं और अगर राज्य सरकारों और केंद्रशासित प्रदेशों ने तुरंत प्रभावी कदम नहीं उठाए, तो स्थिति बेकाबू हो सकती है। हैरानी की बात यह है कि बाल तस्करी के फैलते जाल पर शीर्ष अदालत के सख्त रुख के बावजूद कई राज्यों ने अब तक न जरूरी रपट तैयार की है और न ही समितियां बनाई हैं। समस्या की गंभीरता को देखते हुए स्वाभाविक ही सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों के लापरवाह रवैये पर नाराजगी जताई। दरअसल, करीब एक वर्ष पहले अदालत ने अपने एक फैसले में संगठित तस्करी के जाल को तोड़ने के लिए कई संस्थागत सुधारों के निर्देश दिए थे। इनमें तस्करी के मामलों में छह महीने के भीतर हर रोज सुनवाई करना, मानव तस्करी रोधी इकाइयों को मजबूत करना और जांच प्रक्रिया में सुधार करना शामिल था।

अदालत ने राज्यों को यह निर्देश दिया था कि वे तस्करी के संभावित संवेदनशील स्थानों की पहचान और निगरानी के लिए राज्यस्तरीय समितियां बनाएं और लापता बच्चों के मामलों को तस्करी मान कर जांच शुरू करें। मगर इस मुद्दे पर राज्य सरकारों के रुख का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि कई राज्यों ने अभी तक तय प्रारूप में रपट तक दाखिल नहीं की है। सरकारी तंत्र में इस इच्छाशक्ति के अभाव और उदासीनता की वजह क्या यह है कि जो बच्चे तस्करी का शिकार हो जाते हैं, उनमें ज्यादातर समाज के गरीब और कमजोर तबके से आते हैं?

यह कोई छिपा तथ्य नहीं है कि देश में बाल तस्करी का संकट पिछले कुछ वर्षों के दौरान कितना गहरा गया है। खासतौर पर कोविड महामारी के बाद बच्चों के लापता होने के मामलों में काफी तेजी दर्ज की गई। बच्चों के खिलाफ अपराध के मामले में उत्तर प्रदेश की स्थिति ज्यादा गंभीर है। सही है कि लापता होने वाले तमाम बच्चों में से कइयों को पुलिस खोज लेती है, लेकिन उनमें से बहुतों की कोई खबर नहीं मिलती। सवाल है कि जिन बच्चों को नहीं खोजा जा पाता, वे कहां जाते हैं और उनके साथ क्या होता है।

यह समझना मुश्किल नहीं है कि देश भर में जो बच्चे गायब हो जाते हैं, उन्हें बाल मजदूरी से लेकर यौन शोषण और अपराध की दुनिया के अंतहीन दलदल में झोंक दिया जाता है। एक परिवार अपने बच्चे के लापता होने के बाद किस दंश और दुख से गुजरता है, यह शायद बताने की जरूरत नहीं है। मगर कोई भी समाज और सत्ता बच्चों की तस्करी के मुद्दे को लेकर अगर गंभीर नहीं है, तो यह एक तरह से अपने ही भविष्य की त्रासदी को नजरअंदाज करना है।

यूपी में मतदाता सूची के आकड़े और राजनीति

—नीरज कुमार दूबे—

उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के बाद जारी अंतिम आंकड़ों ने राज्य की चुनावी तस्वीर में बड़ा बदलाव सामने रखा है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिनवा द्वारा जारी अंतिम मतदाता सूची के अनुसार लगभग दो करोड़ मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए हैं। यह संख्या अपने आप में अत्यंत महत्वपूर्ण है और राज्य की कुल जनसंख्या तथा चुनावी भागीदारी पर गहरा प्रभाव डालने वाली है।

हम आपको याद दिला दें कि उत्तर प्रदेश में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान कुल 166 दिनों तक चला, जिसकी शुरुआत 27 अक्टूबर 2025 को हुई थी। उस समय राज्य में कुल 15 करोड़ 44 लाख मतदाता पंजीकृत थे। प्रारंभिक चरण के बाद छह जनवरी को प्रकाशित प्रारूप सूची में यह संख्या घटकर बारह करोड़ पचपन लाख रह गई थी। हालांकि इसके बाद आपत्तियों, दावों, सुनवाई और सत्यापन की लंबी प्रक्रिया के पश्चात अंतिम सूची में कुल 13 करोड़ 39 लाख 84 हजार 792 वैध मतदाता दर्ज किए गए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने स्पष्ट किया कि जिन मतदाताओं का नाम अंतिम सूची में शामिल नहीं हो पाया है, वे पंद्रह दिनों के भीतर संबंधित जिला अधिकारी के समक्ष अपील कर सकते हैं। इसके बाद भी समाधान न मिलने पर दूसरी अपील मुख्य निर्वाचन अधिकारी के पास की जा सकती है और अंत में नया मतदाता बनने के लिए प्रपत्र छह भरा जा सकता है।

यदि जिलावार आंकड़ों पर नजर डालें तो राजधानी लखनऊ में सबसे अधिक नौ लाख चौदह हजार नाम हटाए गए, जो लगभग 22.79 प्रतिशत है। इसके बाद प्रयागराज में आठ लाख छब्बीस हजार, कानपुर में छह लाख सत्तासी हजार, आगरा में छह लाख सैंतीस हजार, गाजियाबाद में पांच लाख चौहत्तर हजार, मेरठ में पांच लाख छह हजार और बरेली में चार लाख छप्पन हजार नाम हटाए गए। विधानसभा क्षेत्रों में साहिबाबाद में तीन लाख सोलह हजार नाम हटाए जाने के साथ यह सूची में सबसे ऊपर रहा, जबकि नोएडा, लखनऊ उत्तर, आगरा कैंट और इलाहाबाद उत्तर भी प्रमुख रहे।

छह जनवरी से दस अप्रैल के बीच कुल आठ लाख पंद्रह हजार नौ सौ छियानवे मतदाताओं के नाम हटाए गए। इनमें से तीन लाख पचास हजार से अधिक लोगों ने नोटिस का जवाब नहीं दिया, लगभग तीन लाख अट्ठाईस हजार लोग स्थानांतरित पाए गए, उनहत्तर हजार से अधिक नाम बहु प्रविष्टि के कारण हटाए गए, पचपन हजार से अधिक मतदाता मृत पाए गए और दो हजार से अधिक लोग आयु या नागरिकता मानकों पर खरे नहीं उतरे।

इस पूरी प्रक्रिया के दौरान तीन करोड़ छब्बीस लाख से अधिक नोटिस जारी किए गए। लगभग एक करोड़ चार लाख मतदाता ऐसे पाए गए जिनकी जानकारी पूरी तरह से मेल नहीं खा रही थी, जबकि दो करोड़ 22 लाख मामलों में तार्किक विसंगतियां थीं। चौदह जनवरी से नोटिस जारी होने शुरू हुए और 31 जनवरी से सुनवाई की प्रक्रिया शुरू होकर 27 मार्च तक पूरी की गई।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने जोर देकर कहा कि किसी भी मतदाता का नाम बिना उचित प्रक्रिया के नहीं हटाया गया। यदि किसी का नाम प्रारूप सूची में था लेकिन अंतिम सूची में नहीं है तो यह या तो प्रपत्र में त्रुटि के कारण हुआ है या फिर सुनवाई के बाद लिया गया निर्णय है।

हम आपको बता दें कि अंतिम सूची के अनुसार राज्य में सात करोड़ तीस लाख इकहत्तर हजार इकसठ पुरुष मतदाता, छह करोड़ नौ लाख नौ हजार पांच सौ पच्चीस महिला मतदाता और चार हजार दो सौ छह तृतीय लिंग मतदाता हैं। अठारह से उन्नीस वर्ष आयु वर्ग के मतदाताओं की संख्या सत्रह लाख तिरसठ हजार तीन सौ साठ है।

एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि प्रारूप और अंतिम सूची के बीच कुल चौरासी लाख अट्ठाईस हजार सात सौ सड़सठ मतदाताओं की शुद्ध वृद्धि दर्ज की गई। इसमें बयालीस लाख से अधिक पुरुष और लगभग इतने ही महिला मतदाता शामिल हैं। इससे लिंग अनुपात में भी सुधार हुआ है, जो आठ सौ चौबीस से बढ़कर आठ सौ चौंतीस हो गया है। जिलों में मतदाता वृद्धि के मामले में प्रयागराज सबसे आगे रहा, जहां तीन लाख उनतीस हजार से अधिक नए मतदाता जुड़े। इसके बाद लखनऊ, बरेली, गाजियाबाद और जौनपुर प्रमुख रहे। विधानसभा क्षेत्रों में साहिबाबाद, जौनपुर, लखनऊ पश्चिम, लोनी और फिरोजाबाद में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई।

हम आपको यह भी बता दें कि देश के अन्य राज्यों की तुलना में उत्तर प्रदेश मतदाता विलोपन प्रतिशत के मामले में दूसरे स्थान पर रहा, जहां यह आंकड़ा तेरह दशमलव चौबीस प्रतिशत रहा। इससे आगे गुजरात रहा, जबकि अन्य राज्यों में यह प्रतिशत अपेक्षाकृत कम रहा। तीसरे पक्ष द्वारा दिए गए आवेदनों के आधार पर एक लाख बीस हजार से अधिक नाम हटाए गए। इनमें अधिकतर मामले मृत्यु, स्थायी स्थान परिवर्तन या अन्यत्र पंजीकरण से जुड़े थे। इस पूरी प्रक्रिया में राजनीतिक दलों की भी सक्रिय भागीदारी रही। पांच प्रमुख बैठकों के अलावा नौ सौ चार बैठकों का आयोजन जिला स्तर पर किया गया। पांच लाख से अधिक बूथ स्तरीय एजेंटों ने इस प्रक्रिया में भाग लिया। इसके अतिरिक्त हजारों अधिकारियों और कर्मचारियों के सहयोग से यह विशाल अभियान सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस प्रकार उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची का यह पुनरीक्षण न केवल प्रशासनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण रहा बल्कि इससे चुनावी पारदर्शिता और सटीकता को भी नई दिशा मिली है।

लेकिन अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि इससे उत्तर प्रदेश की राजनीति पर क्या असर पड़ेगा? हम आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश की अंतिम मतदाता सूची ने राजनीतिक हलकों में हलचल बढ़ा दी है। नई सूची में खासकर शहरी क्षेत्रों में मतदाताओं की संख्या में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है, जिससे सत्तारूढ़ दल भाजपा की चिंता बढ़ सकती है। लखनऊ, मेरठ, नोएडा, गाजियाबाद और कानपुर जैसे प्रमुख शहरों में अक्तूबर 2025 की तुलना में लगभग 19 से 23 प्रतिशत तक मतदाता घटे हैं। ये वही क्षेत्र हैं जहां पिछले चुनावों में भाजपा का मजबूत प्रभाव रहा है। विधानसभा स्तर पर भी साहिबाबाद, नोएडा, लखनऊ उत्तर और आगरा कैंट जैसी सीटों पर बड़ी संख्या में मतदाता कम हुए हैं। आंकड़ों के अनुसार जिन सीटों पर एक लाख से अधिक वोट घटे हैं, उनमें अधिकांश पर भाजपा का कब्जा है। इसके विपरीत, मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में गिरावट अपेक्षाकृत कम रही, जहां लगभग 9 से 14 प्रतिशत तक ही कमी दर्ज की गई।—(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

नेपाल की नई सरकार में शिक्षा के फैसले

—डॉ. शैलेश शुक्ला—

नेपाल की नई सरकार की सबसे अधिक चर्चा में रही पहल शिक्षा क्षेत्र से जुड़ी है, जहाँ निजी कोचिंग संस्थानों और निजी स्कूलों के संचालन पर सख्त नियंत्रण और नियमन की दिशा में कदम उठाए गए हैं। यद्यपि इन संस्थानों को पूरी तरह बंद करने जैसी अतिवादी व्याख्याएँ कई जगह सामने आईं, परंतु वास्तविकता यह है कि सरकार ने शिक्षा के व्यवसायीकरण को सीमित करने और सार्वजनिक शिक्षा प्रणाली को सशक्त बनाने के उद्देश्य से कठोर नियम लागू किए हैं। इस नीति का मूल उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि शिक्षा केवल आर्थिक रूप से सक्षम वर्ग तक सीमित न रह जाए, बल्कि समाज के सभी वर्गों को समान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध हो सके।

दक्षिण एशिया के छोटे लेकिन राजनीतिक रूप से अत्यंत सक्रिय देश नेपाल में हाल ही में बनी नई सरकार ने कुछ ऐसे निर्णय और पहलें सामने रखी हैं जिनकी चर्चा न केवल वहाँ की आंतरिक राजनीति में, बल्कि पड़ोसी देशों में भी हो रही है। सीमित संसाधनों, जटिल भौगोलिक परिस्थितियों और राजनीतिक अस्थिरता के लंबे इतिहास के बावजूद नेपाल में शासन के नए प्रयोग यह संकेत देते हैं कि यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति स्पष्ट हो तो अपेक्षाकृत कम संसाधनों में भी जनहितकारी नीतियों की दिशा में ठोस कदम उठाए जा सकते हैं। यही कारण है कि यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता हैकृक्या भारत जैसे बड़े लोकतंत्र को नेपाल की इन पहलों से कुछ सीखने की आवश्यकता है?

नेपाल की नई सरकार की सबसे अधिक चर्चा में रही पहल शिक्षा क्षेत्र से जुड़ी है, जहाँ निजी कोचिंग संस्थानों और निजी स्कूलों के संचालन पर सख्त नियंत्रण और नियमन की दिशा में कदम उठाए गए हैं। यद्यपि इन संस्थानों को पूरी तरह बंद करने जैसी अतिवादी व्याख्याएँ कई जगह सामने आईं, परंतु वास्तविकता यह है कि सरकार ने शिक्षा के व्यवसायीकरण को सीमित करने और सार्वजनिक शिक्षा प्रणाली को सशक्त बनाने के उद्देश्य से कठोर नियम लागू किए हैं। इस नीति का मूल उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि शिक्षा केवल आर्थिक रूप से सक्षम वर्ग तक सीमित न रह जाए, बल्कि समाज के सभी वर्गों को समान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध हो सके। यह दृष्टिकोण उस व्यापक चिंता को प्रतिबिंबित करता है, जो आज पूरे दक्षिण एशिया में शिक्षा के बढ़ते निजीकरण को लेकर व्यक्त की जा रही है।

नेपाल की इस पहल का एक महत्वपूर्ण संदेश यह है कि शिक्षा को केवल 'सेवा' नहीं, बल्कि 'सार्वजनिक अधिकार' के रूप में देखा जाना चाहिए। जब निजी स्कूल और कोचिंग संस्थान अनियंत्रित रूप से बढ़ते हैं तो वे एक समानांतर शिक्षा व्यवस्था खड़ी कर देते हैं, जिसमें गुणवत्ता और अवसर दोनों ही आर्थिक क्षमता पर निर्भर हो जाते हैं। नेपाल सरकार ने इस असंतुलन को पहचानते हुए सार्वजनिक शिक्षा व्यवस्था को पुनर्जीवित करने की दिशा में प्रयास किया है। यदि यह प्रयोग सफल होता है, तो यह पूरे क्षेत्र के लिए एक उदाहरण बन सकता है।

इसके अतिरिक्त, नेपाल सरकार ने स्वास्थ्य, प्रशासनिक पारदर्शिता और स्थानीय शासन को मजबूत करने के क्षेत्र में भी कुछ महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। सरकारी अस्पतालों की सेवाओं को बेहतर बनाने, दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने और प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुँचाने की दिशा में प्रयास किए गए हैं। यह एक महत्वपूर्ण संकेत है कि सरकार अपनी प्राथमिकताओं को स्पष्ट रूप से जनसामान्य की मूलभूत आवश्यकताओं के अनुरूप ढालने का प्रयास कर रही है।

प्रशासनिक स्तर पर भ्रष्टाचार के विरुद्ध सख्ती और पारदर्शिता को बढ़ावा देने की दिशा में भी पहलें सामने आई हैं। सरकारी प्रक्रियाओं को सरल बनाना, अनावश्यक मध्यस्थता को कम करना और डिजिटल माध्यमों के उपयोग को बढ़ानाकृये सभी कदम शासन को अधिक उत्तरदायी और प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण माने जा सकते हैं। यह तथ्य विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि एक अपेक्षाकृत छोटे देश ने सीमित संसाधनों के बावजूद शासन सुधार की दिशा में ठोस इच्छाशक्ति दिखाई है।

नेपाल की नई सरकार की एक और महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि उसने स्थानीय स्तर पर विकास को प्राथमिकता देने का प्रयास किया है। पंचायतों और स्थानीय निकायों को अधिक अधिकार और संसाधन देने की दिशा में पहल की गई है, जिससे विकास कार्यों की निगरानी और क्रियान्वयन अधिक प्रभावी हो सके। यह विकेंद्रीकरण (डिसेंट्रलाइजेशन) की दिशा में एक सकारात्मक कदम है, जो लोकतंत्र को जमीनी स्तर पर मजबूत करता है।

अब यदि हम भारत के संदर्भ में इन पहलों का मूल्यांकन करें, तो यह स्पष्ट होता है कि यहाँ भी कई ऐसी चुनौतियाँ मौजूद हैं, जिनका समाधान नेपाल जैसे प्रयोगों से प्रेरणा लेकर किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, भारत में भी शिक्षा का निजीकरण तेजी से बढ़ा है और कोचिंग उद्योग एक विशाल आर्थिक क्षेत्र के रूप में उभरा है। इससे शिक्षा में असमानता बढ़ी है और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी एक महंगे व्यवसाय में बदल गई है। ऐसे में यह विचार करना आवश्यक है कि क्या सार्वजनिक शिक्षा प्रणाली को इतना मजबूत बनाया जा सकता है कि वह निजी संस्थानों पर निर्भरता को कम कर सके।

इसी प्रकार, स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में भी भारत में असमानता एक बड़ी समस्या है। शहरी क्षेत्रों में उच्च स्तरीय निजी अस्पताल उपलब्ध हैं, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाएँ भी कई बार अपर्याप्त रहती हैं। नेपाल की तरह यदि प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने पर विशेष ध्यान दिया जाए, तो इससे व्यापक स्तर पर जनस्वास्थ्य में सुधार संभव है।

हालांकि यह भी ध्यान रखना आवश्यक है कि किसी भी देश की नीतियों को सीधे दूसरे देश में लागू नहीं किया जा सकता। प्रत्येक देश की अपनी सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिस्थितियाँ होती हैं, जिनके आधार पर नीतियों का निर्माण और क्रियान्वयन किया जाता है। नेपाल की नीतियाँ वहाँ की विशिष्ट परिस्थितियों के अनुरूप हैं और उनकी सफलता या विफलता का आकलन समय के साथ ही किया जा सकेगा। इसलिए भारत के लिए यह अधिक उपयुक्त होगा कि वह इन पहलों से प्रेरणा लेकर अपनी परिस्थितियों के अनुसार नीतिगत सुधार करे। एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि नेपाल में इन नीतियों को लागू करने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति और जनसमर्थन दोनों का समन्वय दिखाई देता है। किसी भी सुधारात्मक कदम की सफलता के लिए यह आवश्यक है कि सरकार के पास स्पष्ट दृष्टि हो और जनता उसमें विश्वास रखे। भारत जैसे बड़े लोकतंत्र में यह कार्य और भी चुनौतीपूर्ण हो जाता है क्योंकि यहाँ विविधता और जटिलता का स्तर अधिक है।

अंततः यह कहा जा सकता है कि नेपाल की नई सरकार द्वारा उठाए गए कदम हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करते हैं कि क्या हम अपनी नीतियों और प्राथमिकताओं का पुनर्मूल्यांकन करने के लिए तैयार हैं। क्या हम शिक्षा, स्वास्थ्य और प्रशासन जैसे क्षेत्रों में वास्तविक सुधार के लिए साहसिक निर्णय लेने को तैयार हैं, या फिर हम वर्तमान व्यवस्था के साथ समझौता करते रहेंगे? यह प्रश्न केवल सरकारों के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए महत्वपूर्ण है।

नेपाल का उदाहरण यह दर्शाता है कि परिवर्तन संभव है, बशर्ते उसके लिए स्पष्ट दृष्टि, मजबूत इच्छाशक्ति और जनहित के प्रति प्रतिबद्धता हो। यदि भारत इन मूलभूत सिद्धांतों को अपनाने की दिशा में आगे बढ़ता है, तो निश्चित ही वह अपने विकास पथ को और अधिक समावेशी, न्यायपूर्ण और प्रभावी बना सकता है। यही इस पूरे विमर्श का सार है कि सीखने के लिए आकार या संसाधन नहीं, बल्कि दृष्टिकोण और संकल्प महत्वपूर्ण होते हैं।

जान लेवा होता वायु प्रदूषण

—ज्ञानेन्द्र रावत —

वैज्ञानिकों ने कहा है कि हवा में मौजूद पीएम 2.5 (सूक्ष्म कण) के कारण पूरी दुनिया की आबादी को 65 अरब आईक्यू अंक का नुकसान हो रहा है। उनके अनुसार, पीएम कण इतने सूक्ष्म होते हैं कि वे शरीर के माध्यम से सीधे मस्तिष्क तक पहुंच रहे हैं। इससे दिमाग में आक्सीडेटिव स्ट्रेस और सूजन पैदा हो रही है। धूल के इन कणों में कैडमियम, मैगनीज और आर्सेनिक जैसी जहरीली धातुएं होती हैं, जो बच्चों के मानसिक विकास के लिए बेहद हानिकारक हैं।

दरअसल, वैज्ञानिकों ने यह शोध 'ईक्यू' को एक संख्या मानकर किया है, जो यह बताती है कि किसी व्यक्ति की सोचने, समझने, तर्क करने और समस्याओं को सुलझाने की क्षमता उसकी उम्र के अन्य लोगों की तुलना में कितनी है। शोध में पाया गया कि हवा में मौजूद पीएम 2.5 के हर एक माइक्रोग्राम के बढ़ने पर आईक्यू स्कोर में गिरावट आई है। वैज्ञानिकों के अनुसार, प्रति व्यक्ति आईक्यू हानि का स्तर उन्नत देशों में ज्यादा है, जहां पीएम 2.5 का स्तर बहुत ज्यादा है।

भारत में अत्यधिक प्रदूषण के कारण आईक्यू का नुकसान 20 अंक तक पहुंच गया है। कम और मध्यम आय वाले देश इस संकट की सबसे ज्यादा मार झेल रहे हैं। इससे बच्चों का विकास सबसे ज्यादा प्रभावित होगा। यही नहीं, सूक्ष्म कणों के असर से गर्भवती महिलाओं पर भी यह ज्यादा खतरा बन सकता है। गर्भावस्था के दौरान सूक्ष्म कणों का प्रभाव (1 से 6 अंक की हानि) या शराब के सेवन (3 से 7 अंक की हानि) जैसे स्थापित जोखिम कारकों के समान है।

विकासशील देशों पर प्रदूषण का सबसे ज्यादा असर पड़ रहा है। वहां यह नुकसान 19 अंक तक हो सकता है, जबकि वैश्विक औसत 1 अंक से 2 अंक के बीच है। सबसे दुखदायी यह है कि 15 साल से कम उम्र के लगभग 2.02 करोड़ बच्चे इस प्रदूषण के शिकार हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, आज 93 फीसदी बच्चे प्रदूषित हवा में सांस लेने को मजबूर हैं। वायु प्रदूषण से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याएं अक्सर एयरोसोल से संबंधित होती हैं। एयरोसोल हवा में निलंबित सूक्ष्म ठोस या तरल लवण होते हैं। इनका आकार कुछ नैनोमीटर से लेकर कई माइक्रोमीटर तक हो सकता है।

मौजूद पीएम 2.5 (सूक्ष्म कण) के कारण पूरी दुनिया की आबादी को 65 अरब आईक्यू अंक का नुकसान हो रहा है। उनके अनुसार, पीएम कण इतने सूक्ष्म होते हैं कि वे शरीर के माध्यम से सीधे मस्तिष्क तक पहुंच रहे हैं। इससे दिमाग में आक्सीडेटिव स्ट्रेस और सूजन पैदा हो रही है। धूल के इन कणों में कैडमियम, मैगनीज और आर्सेनिक जैसी जहरीली धातुएं होती हैं, जो बच्चों के मानसिक विकास के लिए बेहद हानिकारक हैं।

दरअसल, वैज्ञानिकों ने यह शोध 'ईक्यू' को एक संख्या मानकर किया है, जो यह बताती है कि किसी व्यक्ति की सोचने, समझने, तर्क करने और समस्याओं को सुलझाने की क्षमता उसकी उम्र के अन्य लोगों की तुलना में कितनी है। शोध में पाया गया कि हवा में मौजूद पीएम 2.5 के हर एक माइक्रोग्राम के बढ़ने पर आईक्यू स्कोर में गिरावट आई है। वैज्ञानिकों के अनुसार, प्रति व्यक्ति आईक्यू हानि का स्तर उन्नत देशों में ज्यादा है, जहां पीएम 2.5 का स्तर बहुत ज्यादा है।

भारत में अत्यधिक प्रदूषण के कारण आईक्यू का नुकसान 20 अंक तक पहुंच गया है। कम और मध्यम आय वाले देश इस संकट की सबसे ज्यादा मार झेल रहे हैं। इससे बच्चों का विकास सबसे ज्यादा प्रभावित होगा। यही नहीं, सूक्ष्म कणों के असर से गर्भवती महिलाओं पर भी यह ज्यादा खतरा बन सकता है। गर्भावस्था के दौरान सूक्ष्म कणों का प्रभाव (1 से 6 अंक की हानि) या शराब के सेवन (3 से 7 अंक की हानि) जैसे स्थापित जोखिम कारकों के समान है।

विकासशील देशों पर प्रदूषण का सबसे ज्यादा असर पड़ रहा है। वहां यह नुकसान 19 अंक तक हो सकता है, जबकि वैश्विक औसत 1 अंक से 2 अंक के बीच है। सबसे दुखदायी यह है कि 15 साल से कम उम्र के लगभग 2.02 करोड़ बच्चे इस प्रदूषण के शिकार हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, आज 93 फीसदी बच्चे प्रदूषित हवा में सांस लेने को मजबूर हैं। वायु प्रदूषण से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याएं अक्सर एयरोसोल से संबंधित होती हैं। एयरोसोल हवा में निलंबित सूक्ष्म ठोस या तरल लवण होते हैं। इनका आकार कुछ नैनोमीटर से लेकर कई माइक्रोमीटर तक हो सकता है।

समाधान दिवस में शिकायतों के त्वरित निस्तारण पर जोर

संवाददाता—बलरामपुर। जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण के उद्देश्य से जिले के सभी थानों में समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन और पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने थाना हरैया व ललिया पहुंचकर फरियादियों की शिकायतें गंभीरता से सुनीं। वहीं सदर एसडीएम हेमंत गुप्ता ने कोतवाली देहात में लोगों की समस्याएं सुनकर उनके समाधान के निर्देश दिए।डीएम ने थाना स्तर पर प्राप्त प्रार्थना पत्रों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने भूमि विवाद और कानून-व्यवस्था से जुड़े संवेदनशील मामलों को प्राथमिकता पर निपटाने को कहा।

ऐसे मामलों में राजस्व और पुलिस की संयुक्त टीम बनाकर मौके पर जांच करने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने कहा कि समाधान दिवस का उद्देश्य स्थानीय स्तर पर समस्याओं का प्रभावी समाधान करना है, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कोतवाली देहात में कुल 11 मामले आए, जिनमें से चार का मौके पर निस्तारण किया गया। इसके अलावा तुलसीपुर, पचपेड़वा, गैसड़ी, सादुल्लाह नगर, उतरौला व अन्य थानों में भी समाधान दिवस आयोजित कर शिकायतें सुनी गईं।

सपा कार्यालय में मनाई महात्मा ज्योतिबा फुले जयंती

संवाददाता—देवरिया। बास देवरिया स्थित समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय में शनिवार को महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर सपा जिलाध्यक्ष व्यास यादव ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

कार्यक्रम का शुभारंभ महात्मा ज्योतिबा फुले के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के साथ हुआ। इसके उपरांत एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें उनके जीवन, विचारों और सामाजिक योगदान पर विस्तृत चर्चा की गई। उपस्थित कार्यकर्ताओं ने उनके आदर्शों पर चलने और सामाजिक समानता को बढ़ावा देने का संकल्प लिया।

जिलाध्यक्ष व्यास यादव ने अपने संबोधन में कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले ने सामाजिक न्याय की मजबूत नींव रखी। उन्होंने जाति आधारित भेदभाव और छुआछूत के खिलाफ आजीवन संघर्ष किया। यादव ने फुले को एक महान समाज सुधारक, विचारक और लेखक बताया, जिनके विचार आज भी समाज को दिशा प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि महात्मा ज्योतिबा फुले सत्यशोधक समाज के संस्थापक थे और महिला शिक्षा के क्षेत्र में उनका योगदान ऐतिहासिक है। समाज में समानता, शिक्षा और अधिकारों के लिए उनके संघर्ष को अविस्मरणीय बताया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सपा कार्यकर्ताओं ने महात्मा ज्योतिबा फुले के आदर्शों को आज भी प्रासंगिक बताया और उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर पार्टी के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कमरे में मिला मजदूर का शव, कारण अज्ञात

संवाददाता—देवरिया। बनकटा थाना क्षेत्र के जैतपुरा स्थित गणपति साल्वेंट उद्योग में कार्यरत एक मजदूर का शव शनिवार को उसके कमरे में मिला। मृतक की पहचान लाल थाना क्षेत्र के धरहरा निवासी राकेश कुमार राजभर (40) पुत्र श्रीकांत राजभर के रूप में हुई है। बताया जाता है कि शनिवार सुबह जब राकेश कुमार कार्य पर नहीं पहुंचे तो साथियों ने कमरे पर जाकर देखा। कमरे में वह मृत अवस्था में पड़े थे। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू कर दी। कंपनी के संचालक नारद मुनि राजभर ने घटना की सूचना मृतक के परिजनों को दी। सूचना मिलते ही मृतक की पत्नी अनिता अपने परिजनों के साथ मौके पर पहुंचीं, जहां उनका रो-रोकर बुरा हाल हो गया। मृतक अपने पीछे पत्नी, दो पुत्रियां और एक पुत्र अर्जुन को छोड़ गया है। थानाध्यक्ष बनकटा दिनेश मौर्य ने बताया कि अभी तक कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

गोसदन की आय बढ़ाने को लेकर अफसरों ने किया मंथन, सुविधाएं परखीं

संवाददाता—महराजगंज। डीएम संतोष कुमार शर्मा और एसपी शक्ति मोहन अवस्थी ने शनिवार को निचलौल क्षेत्र के जिला गोसदन मध्यवलिया का निरीक्षण किया। इस दौरान गोसदन की आय बढ़ाने को लेकर चर्चा की गई। गोसदन में पशुओं की सुविधा का इंतजाम परखा। डीएम ने परिसर की साफ सफाई, भूसा चारा, वर्मी कंपोस्ट निर्माण की स्थिति आदि देखी। साफ—सफाई और बेहतर ढंग से करने का निर्देश दिया। डीएम ने गोसदन की भूमि पर मत्स्य पालन आदि के जरिए आमदनी बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने परिसर में बांस और कटहल के पौधे रोपित कराने का निर्देश दिया। कहा कि इससे गोसदन की आय बढ़ाई जा सकती है।

अस्थायी गौसेवकों ने तीन महीने से नहीं मिल रहे मानदेय का भुगतान कराने और मानदेय बढ़ाने की भी मांग रखी। इस मौके पर सीडीओ महेंद्र सिंह, एसडीएम सिद्धार्थ गुप्ता, बीडीओ शमां सिंह, रामू यादव आदि मौजूद रहे।

एसडीएम विपिन कुमार द्विवेदी निलंबित, वकील की मौत मामले में लापरवाही के आरोप

संवाददाता—देवरिया। राज्य सरकार ने बरहज देवरिया के उप जिलाधिकारी विपिन कुमार द्विवेदी को निलंबित कर दिया है। तहसील बरहज के ग्राम लक्ष्मीपुर में राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज नाली व नलकूप की जमीन पर पक्की सड़क का निर्माण कराने और धक्का—मुक्की के कारण मृत्यु की घटना की प्रारंभिक जांच कराई गई थी। यह जांच अपर आयुक्त प्रशासन गोरखपुर पुलिस अधीक्षक नगर गोरखपुर और अपर जिलाधिकारी नगर गोरखपुर की तीन सदस्यीय कमेटी ने की थी। समिति की रिपोर्ट के आधार पर प्रकरण में लापरवाही के लिए प्रथमदृष्टया विपिन कुमार द्विवेदी को जिम्मेदार ठहराया गया है। उनके खिलाफ नियम—7 के तहत जांच के आदेश भी दे दिए गए हैं। प्रयागराज के कमिश्नर को जांच अधिकारी नामित किया गया है। विपिन कुमार द्विवेदी को राजस्व परिषद से संबंध कर दिया गया है।

देवरिया जिले के बरहज थाना क्षेत्र के ग्राम लक्ष्मीपुर में रविवार को चकनाली पर सड़क निर्माण के विवाद के दौरान दिल का दौरा पड़ने से अधिवक्ता संघ बरहज के पूर्व अध्यक्ष बृजेंद्र कुमार सिंह की मौत हो गई थी। परिजनों के आरोप थे कि एसडीएम बरहज ने विवाद के दौरान अधिवक्ता को धमकाया, जिसके चलते उनकी मौत हो गई। घटना के बाद बरहज तहसील में दर्जनों अधिवक्ता एकत्र हो गए और शव रख कर हंगामा किया था। कुछ लोगों ने एसडीएम को बंधक बनाकर नारेबाजी भी की थी। इस संबंध में एसडीएम विपिन द्विवेदी का कहना है कि वह विवाद सुलझा कर लौट आए थे उसके बाद अधिवक्ता का निधन हुआ। धमकाने का आरोप गलत है।

जानकारी के अनुसार बरहज क्षेत्र की ग्राम पंचायत लक्ष्मीपुर में पंचायत द्वारा चकनाली पर सीसी रोड का निर्माण कराया जा रहा है। रोड व चकनाली अधिवक्ता बृजेन्द्र सिंह के दरवाजे से होकर जाती है। चकनाली पर सड़क निर्माण का वह विरोध कर रहे थे। यह विवाद तीन माह से चल रहा है। उसी विवाद के समाधान के लिए उपजिलाधिकारी विपिन द्विवेदी राजस्व टीम के साथ मौके पर गए थे। वहां पर विवाद होने लगा। उसी दौरान बृजेन्द्र कुमार सिंह को दौरा पड़ गया और उनकी मौत हो गई। परिजनों के मुताबिक एसडीएम ने अधिवक्ता और उनके बेटों पर गम्भीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर 20 साल के लिए जेल भेजने की धमकी दी थी। एसडीएम की बात सुनते ही बृजेन्द्र सिंह नीचे गिर गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

बता दें कि उनके परिवार और अधिवक्ताओं ने जमकर हंगामा किया था। अधिवक्ता मुख्यमंत्री को मौके पर बुलाने के साथ ही एसडीएम, लेखपाल और ग्राम प्रधान पर हत्या का मुकदमा दर्ज करने की मांग कर रहे थे। उसी दौरान हिंदूवादी नेता प्रमोद सिंह के नेतृत्व में भीड़ ने एसडीएम रुद्रपुर को बंधक बनाया था। 15 मिनट की मशक्कत के बाद सीओ रुद्रपुर ने भीड़ से एसडीएम को छुड़ाया था।

हिंदू युवा वाहिनी के नेता के बेटे की मौतः शव रेलवे ट्रैक पर मिला, शरीर पर चोट के निशान

संवाददाता—महराजगंज। हिंदू युवा वाहिनी के पूर्व ब्लॉक उपाध्यक्ष के बेटे का शव रेलवे ट्रैक पर मिला। शुक्रवार देर रात करीब 11 बजे लोको पायलेट ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। जिसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची। शव की शिनाख्त कर परिजनों को इसकी जानकारी दी। सूचना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। रेलवे ट्रैक पर शव की सूचना मिलने के बाद गांव में सनसनी फैल गई। लोको पायलट की सूचना पर पुलिस को बताया कि खुशहालनगर की ओर जाने वाले रेलवे ट्रैक पर एक शव पड़ा है। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। साथ ही शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मृतक की पहचान करौता उर्फ नेबुईया निवासी प्रिंस शर्मा(15) के रूप में हुई है। मृतक हिंदू युवा वाहिनी के पूर्व ब्लॉक उपाध्यक्ष गणेश शर्मा का बेटा है।

हादसे की सूचना लोको पायलट रवीन्द्र राम ने कप्तागंज रेलवे स्टेशन पर दी। जिसके बाद घुघली रेलवे स्टेशन मास्टर की सूचना पर पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। किशोर के शरीर पर गंभीर चोटों के निशान हैं। मृतक का बायां पैर कटा हुआ था। जबकि सिर एवं शरीर के अन्य हिस्सों पर चोट के गंभीर निशान हैं। मृतक की जेब से परिजनों के आधार कार्ड मिले। जिससे मृतक की पहचान की गई। खुशहालनगर की ओर जाने वाले ट्रैक पर शव मिलने की खबर से पूरे गांव में सनसनी फैल गई और परिजनों में कोहराम मच गया। फिलहाल शव को कब्जा पुलिस लेकर वास्ते पोस्टमार्टम मर्चरी हाउस सिला अस्पताल महराजगंज भेजा गया।

मृतक के पिता गणेश शर्मा ने हत्या की आशंका जताई है। उन्होंने आरोप लगाया है कि उनके बेटे का गांव के ही एक व्यक्ति के साथ विवाद चल रहा था। जिसके चलते साजिश के तहत उसकी हत्या की गई है।

थाना प्रभारी कुंवर गौरव सिंह ने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस सभी पहलुओं पर गहन जांच कर रही है और संदेह के घेरे में आए व्यक्तियों से पूछताछ की जा रही है ताकि मौत के सटीक कारणों का पता लगाया जा सके।

संघ सिर्फ संगठन नहीं, राष्ट्र निर्माण की सतत प्रक्रिया —अतुल लिमये

संवाददाता—महराजगंज। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह अतुल लिमये ने कहा कि संघ केवल एक संगठन नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की एक सतत प्रक्रिया है। यह प्रक्रिया व्यक्ति निर्माण के माध्यम से समाज और देश को सशक्त बनाने का काम करती है। वे महराजगंज के एक रिसार्ट में आयोजित प्रमुख जन गोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने संघ के इतिहास, उद्देश्य एवं कार्यपद्धति पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि स्वयंसेवक परिश्रमी, अनुशासित एवं निरहंकारी होता है। यही गुण उसे समाज में सकारात्मक परिवर्तन का वाहक बनाते हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं के व्यक्तित्व विकास पर विशेष जोर देते हुए कहा कि संघ का मुख्य उद्देश्य व्यक्ति के भीतर गुणवत्ता का विकास करना है।

उन्होंने कहा कि अनुशासन, समर्पण और राष्ट्रभावना से युक्त कार्यकर्ता ही समाज और राष्ट्र को नई दिशा देने में सक्षम होते हैं।सह सरकार्यवाह लिमये ने पंच परिवर्तन की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए बताया कि सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी भावना और नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूकता में परिवर्तन लाकर देश को सशक्त बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जब समाज का प्रत्येक व्यक्ति इन मूल्यों को अपने जीवन में अपनाएगा, तब व्यापक परिवर्तन स्वतः दिखाई देगा। संचालन जिला प्रचार प्रमुख जीवेश ने किया।ये उपस्थित रहेगोष्ठी में प्रांत प्रचारक रमेश, सह प्रांत प्रचारक सुरजीत, जिला संघ चालक रमाशंकर गुप्ता, सह जिला संघ चालक श्रीमागवत, सह विभाग प्रचारक अजीत, शिवाकांत, जिला प्रचारक विनय, जिला कार्यवाह शिवचरण, सह जिला कार्यवाह अनिल, डॉ. बलराम भट्ट, डॉ. रामगोपाल, डॉ. परशुराम गुप्त, ब्रजेन्द्र नाथ त्रिपाठी, डॉ. कृष्णा साहनी, डॉ. प्राची, शालिनी मिश्रा, डॉ. शांति शरण मिश्र, रामप्रवेश, ऊषा उपाध्याय, रणजीत, विमल, शेषमणि, दुर्गेश, रामचन्द्र, आलोक, दीपक, अंकुर, विशाल, धनंजय, योगेन्द्र, सूरज, ह्रदेश, अटल, आदर्श, इंद्रजीत, विनोद, चन्दन, देवेश, सुनील, ज्योतिष मणि, शिवम् आर्यन, राघवेन्द्र, अविनाश आदि लोग उपस्थित रहे।

कार्यालय ग्राम पंचायत चनईपुर वि.खं. गौर, जिला-बस्ती

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत **चनईपुर** द्वारा पंचम राज्य वित्त/पन्द्रहवा वित्त केन्द्रीय वित्त/मनरेगा/बीबी—जीरामजी/राष्ट्रीयग्राम स्वराज/अभियान/स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण/एस०एल०डब्लू०एम०/सांसद निधि/विधायक निधि/ अन्त्येष्टि स्थल का विकास/मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजना सहित अन्य योजनान्तर्गत योजना वर्ष 2026–27 में स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों हेतु ईट, ईट गिट्टी, सीमेंट, लोकल सैंड, बालू, मोरंग, मिट्टी दुलाई सहित, पत्थर गिट्टी, इण्टरलाकिंग ईट 80 एम०एम०, सरिया, ऐंगिल, फेंसिंग जाली, जी०आई० शीट, हयूम पाइप 250 एम०एम० व्यास से 900 एम०एम० व्यास तक सभी साइज, बेंच, डस्टबिन, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, विद्युत व इलेक्ट्रानिक उपकरण, इण्डिया मार्का हैण्डपम्प मम्मत व रिबोर से जुडे सामग्री व उपकरण, पेंटिंग, पलम्बिंग सामग्री, फागिंग मशीन व रसायन, सफाई उपकरण, कुर्सी, मेज, अलमारी, स्टेशनरी, साइनबोर्ड, शिलापट्ट, ठेला, ई रिक्शा आदि के आपूर्ति हेतु निविदा दर तथा वांछित एक प्रपत्र बन्द लिफाफे में कार्यालय ग्राम पंचायत **चनईपुर** के निविदा बाक्स में दिनांक 15–04–2026 तक अपरान्ह 12:00 बजे तक डाली जायेगी। निविदा उसी दिन अपरान्ह 02:00 बजे आपूर्तिकर्ता या उसके प्रतिनिधि के उपस्थिति में कार्यालय ग्राम पंचायत में खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहर धनराशि मु० 5000–00 (पांच हजार) होगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 13–04–2026 से दिनांक 14–04–2026 तक कार्यालय दिवस में प्राप्त किया जा सकता है।

1— जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा।
2— आपूर्तिकर्ता का जी०एस०टी० का रजिस्ट्रेशन तथा आयकर देने का प्रमाण पत्र की प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
3— कार्यालय ग्राम पंचायत **चनईपुर** द्वारा नामित कर्मचारियों तथा आपूर्तिकर्ताओ की उपस्थिति में निविदा निर्धारित तिथि, समय व स्थान पर खोला जायेगा।
4— सामग्री / उपकरण की आपूर्ति ग्राम पंचायत **चनईपुर** की परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी अलग से कोई ढुलाई व्यय देय नही होगी।
5— जो दरें प्रस्तुत की जाय जी०एस०टी० तथा कार्टेज एवं अन्य कर जोडकर प्रस्तुत की जाय।
6— सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत के आदेश पर की जायेगी।
7— सामग्री / उपकरण की मात्रा तथा समय आवश्यकतानुसार घटाई व बढ़ाई जा सकती है।
8— प्रस्तुत दरें पी०डब्लू०डी० द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नही होगा।
9— आपूर्तिकर्ता के बिल से नियमानुसार आयकर तथा जी०एस०टी० काटी जायेगी।
10— धरोहर की धनराशि नकद अथवा राष्ट्रीयकृत बैंक के एफ०डी०आर० पत्र/एन०एस०सी०/डाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **चनईपुर** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है।
11— आपूर्ति दर स्वीकृत होने के बाद ग्राम पंचायत के आपूर्ति आदेश से सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति करना अनिवार्य होगा।
12— ग्राम प्रधान / सचिव/पंचायत सहायक/रोजगार सेवक / तकनीकी सहायक/कन्सल्टिंग इन्जीनियर तथा उनके सगे संबंधी रिश्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं की जायेगी।
13— आपूर्तिकर्ता को भुगतान अवर अभियन्ता आर०ई०डी०/अवर अभियन्ता / कन्सल्टिंग अभियन्ता के द्वारा गुणवत्ता एवं मात्रा प्रमाणित होने एवं मापन के बाद ही होगा।
14— निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 50 रू0 है पर ही स्वीकृत की जायेगी।
15— सामग्री/उपकरण आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्तें व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
16— निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास होगा।

(सुधा देवी) प्रधान ग्राम पंचायत—**चनईपुर**

(अवधेश कुमार राव) सचिव ग्राम पंचायत—**चनईपुर**

पत्रांक/ मेमो/टेण्डर विज्ञप्ति 2026/27 दिनांक 11.04.2026

कार्यालय ग्राम पंचायत महादेवा वि.खं. गौर, जिला-बस्ती

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत **महादेवा** द्वारा पंचम राज्य वित्त/पन्द्रहवा वित्त केन्द्रीय वित्त/मनरेगा/बीबी—जीरामजी/राष्ट्रीयग्राम स्वराज/अभियान/स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण/एस०एल०डब्लू०एम०/सांसद निधि/विधायक निधि/ अन्त्येष्टि स्थल का विकास/मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजना सहित अन्य योजनान्तर्गत योजना वर्ष 2026–27 में स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों हेतु ईट, ईट गिट्टी, सीमेंट, लोकल सैंड, बालू, मोरंग, मिट्टी दुलाई सहित, पत्थर गिट्टी, इण्टरलाकिंग ईट 80 एम०एम०, सरिया, ऐंगिल, फेंसिंग जाली, जी०आई० शीट, हयूम पाइप 250 एम०एम० व्यास से 900 एम०एम० व्यास तक सभी साइज, बेंच, डस्टबिन, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, विद्युत व इलेक्ट्रानिक उपकरण, इण्डिया मार्का हैण्डपम्प मम्मत व रिबोर से जुडे सामग्री व उपकरण, पेंटिंग, पलम्बिंग सामग्री, फागिंग मशीन व रसायन, सफाई उपकरण, कुर्सी, मेज, अलमारी, स्टेशनरी, साइनबोर्ड, शिलापट्ट, ठेला, ई रिक्शा आदि के आपूर्ति हेतु निविदा दर तथा वांछित एक प्रपत्र बन्द लिफाफे में कार्यालय ग्राम पंचायत **महादेवा** के निविदा बाक्स में दिनांक 15–04–2026 तक अपरान्ह 12:00 बजे तक डाली जायेगी। निविदा उसी दिन अपरान्ह 03:00 बजे आपूर्तिकर्ता या उसके प्रतिनिधि के उपस्थिति में कार्यालय ग्राम पंचायत में खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहर धनराशि मु० 5000–00 (पांच हजार) होगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 13–04–2026 से दिनांक 14–04–2026 तक कार्यालय दिवस में प्राप्त किया जा सकता है।

1— जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा।
2— आपूर्तिकर्ता का जी०एस०टी० का रजिस्ट्रेशन तथा आयकर देने का प्रमाण पत्र की प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
3— कार्यालय ग्राम पंचायत **महादेवा** द्वारा नामित कर्मचारियों तथा आपूर्तिकर्ताओ की उपस्थिति में निविदा निर्धारित तिथि, समय व स्थान पर खोला जायेगा।
4— सामग्री / उपकरण की आपूर्ति ग्राम पंचायत **महादेवा** की परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी अलग से कोई ढुलाई व्यय देय नही होगी।
5— जो दरें प्रस्तुत की जाय जी०एस०टी० तथा कार्टेज एवं अन्य कर जोडकर प्रस्तुत की जाय।
6— सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत के आदेश पर की जायेगी।
7— सामग्री / उपकरण की मात्रा तथा समय आवश्यकतानुसार घटाई व बढ़ाई जा सकती है।
8— प्रस्तुत दरें पी०डब्लू०डी० द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नही होगा।
9— आपूर्तिकर्ता के बिल से नियमानुसार आयकर तथा जी०एस०टी० काटी जायेगी।
10— धरोहर की धनराशि नकद अथवा राष्ट्रीयकृत बैंक के एफ०डी०आर० पत्र/एन०एस०सी०/डाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **महादेवा** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है।
11— आपूर्ति दर स्वीकृत होने के बाद ग्राम पंचायत के आपूर्ति आदेश से सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति करना अनिवार्य होगा।
12— ग्राम प्रधान / सचिव/पंचायत सहायक/रोजगार सेवक / तकनीकी सहायक/कन्सल्टिंग इन्जीनियर तथा उनके सगे संबंधी रिश्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं की जायेगी।
13— आपूर्तिकर्ता को भुगतान अवर अभियन्ता आर०ई०डी०/अवर अभियन्ता / कन्सल्टिंग अभियन्ता के द्वारा गुणवत्ता एवं मात्रा प्रमाणित होने एवं मापन के बाद ही होगा।
14— निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 50 रू0 है पर ही स्वीकृत की जायेगी।
15— सामग्री/उपकरण आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्तें व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
16— निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास होगा।

(अजय कुमार) प्रधान ग्राम पंचायत—**महादेवा**

(अवधेश कुमार राव) सचिव ग्राम पंचायत—**महादेवा**

पत्रांक/ मेमो/टेण्डर विज्ञप्ति 2026/27 दिनांक 11.04.2026

निर्माणाधीन महिला आईटीआई का डीएम ने किया निरीक्षण

संवाददाता—बलरामपुर। जिलाधिकारी विपिन कुमार जैन ने विकास खंड हरैया सतघरवा के ग्राम लखौरा में निर्माणाधीन राजकीय महिला आईटीआई का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लेते हुए कार्यदाई संस्था को गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ कार्य पूरा करने के निर्देश दिए।डीएम ने स्पष्ट निर्देश दिया कि मई 2026 तक भवन निर्माण कार्य पूर्ण कर हैंडओवर सुनिश्चित किया जाए, ताकि आगामी शैक्षणिक सत्र में समय से कक्षाओं का संचालन शुरू हो सके। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही या देरी स्वीकार नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने भवन की संरचना, कक्षाओं, प्रयोगशालाओं और अन्य सुविधाओं का अवलोकन कर आवश्यक सुधारात्मक निर्देश दिए। साथ ही निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप उच्च गुणवत्ता के साथ कराने पर जोर दिया। डीएम ने बताया कि अगस्त 2026 तक संस्थान में शिक्षण कार्य शुरू कराने का लक्ष्य है, जिससे क्षेत्र की बालिकाओं को तकनीकी शिक्षा के बेहतर अवसर मिल सकेंगे। इस मौके पर संबंधित अधिकारी व कार्यदाई संस्था के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

किशोरी ने फांसी लगाकर दी जान

संवाददाता—बहराइच। जिले के नगर कोतवाली इलाके में शुक्रवार देर रात एक किशोरी का शव घर में फंदे से लटका मिला। परिवार के सदस्य उसे तत्काल जिला अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को मर्चरी में रखवाया है। यह घटना नगर कोतवाली इलाके के नाजिरपुरा में हुई। समीउल्लाह अपनी 17 वर्षीय बेटी फिजा के साथ रहते हैं। शुक्रवार देर रात फिजा ने घर के कमरे में लगे कुंडे से फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। परिवार के सदस्यों ने जब उसे फंदे से लटका देखा, तो उसे तुरंत नीचे उतारा और इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया। हालांकि, डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

5 तारकोल ड्रम जलकर राख

संवाददाता—गोंडा। जिले के इटियाथोक बाजार में परमजीत सिंह ठेकेदार के मैरिज हॉल के गोदाम में भीषण आग लग गई। अज्ञात कारणों से लगी इस आग में पांच तारकोल ड्रम और कई प्लास्टिक ड्रम जलकर राख हो गए, जिससे लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। स्थानीय लोगों और फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। यह घटना इटियाथोक कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत हुई। आग लगने के बाद देखते ही देखते यह पास रखे अन्य चार तारकोल ड्रमों तक फैल गई और फिर इसने विकराल रूप ले लिया। आग की चपेट में आने से मैरिज हॉल के अंदर रखा अन्य सामान भी जल गया। बताया गया है कि परमजीत सिंह लोक निर्माण विभाग के ठेकेदार हैं। उन्होंने एक साल पहले मैरिज हॉल का निर्माण कराया था, लेकिन व्यवसाय न चलने के कारण इसे बंद कर दिया था और इसे अपने स्टोर रूम के रूप में इस्तेमाल कर रहे थे। इसी स्टोर रूम में सड़क निर्माण के लिए रखे पांच तारकोल के ड्रम मौजूद थे। दोपहर करीब 3 बजे अचानक तेज धुआं उठता देख स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। उन्होंने आग लगने की सूचना परमजीत सिंह को दी। इसके बाद परमजीत सिंह अपने लोगों के साथ मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास किया। इटियाथोक कोतवाल कमलाकांत त्रिपाठी ने बताया कि आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है।

साइकिलिस्ट व माउंटेनियर शिवम को किया गया सम्मानित

संवाददाता—महराजगंज। एकलव्य वेलफेयर एंड मेडिकल रिसर्च ट्रस्ट की ओर से युवा साइकिलिस्ट एवं माउंटेनियर शिवम पटेल को उनके उत्कृष्ट खेल एवं साहसिक उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उन्हें 10 हजार रुपये की सहायता राशि का चेक भी प्रदान किया गया। ट्रस्ट के संस्थापक एवं अध्यक्ष डॉ. डीके साहनी ने उन्हें सम्मानित करते हुए उनके आगामी वर्ल्ड रिकॉर्ड अभियान के लिए शुभकामनाएं दीं।शिवम पटेल गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स तथा इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में अपना नाम दर्ज करा चुके हैं। मात्र 17 वर्ष की आयु में उन्होंने पूरे भारत में 28,000 किलोमीटर की साइकिल यात्रा पूरी कर 22 राज्यों और 6 केंद्र शासित प्रदेशों को कवर किया।

उनकी प्रमुख उपलब्धियों में सबसे कम उम्र में साइकिल द्वारा एवरेस्ट बेस कैंप और खुम्बू ग्लेशियर तक पहुंचना, काला पत्थर तक साइकिल से पहुंचने वाले सबसे युवा साइक्लिस्ट बनना, वर्ष 2025 में अन्नपूर्णा सर्किट को सबसे तेज पूरा करना तथा 2017, 2018 और 2019 में एमटीबी गोल्ड मेडल जीतना शामिल है। शिवम पटेल ने अपने आगामी मिशन की जानकारी देते हुए बताया कि वह करौता से कारगिल साइकिल यात्रा की योजना बना रहे हैं, जिसे देश के शहीद सैनिकों को समर्पित किया गया है। इसके बाद वह कारगिल से मिंगला पास तक साइकिल यात्रा कर एक नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने का प्रयास करेंगे। इस दौरान रोटरी क्लब के चार्टर अध्यक्ष विन्ध्यवासिनी सिंह, आगामी सचिव आत्मा राम गुप्ता, ट्रस्ट की सचिव डॉ. कृष्णा साहनी, दिलीप, संतोष, मुन्ना, प्रज्येात, वंदना, पुष्पा, रीना, अभिषेक, ध्रुव, अमरनाथ, दीपक, राकेश, विनीता, सन्नी आदि उपस्थित रहे।

बस ने बाइक को मारी टक्कर: हादसे में एक महिला की मौत, दो घायल

संवाददाता—बहराइच। मल्हीपुर मार्ग पर एक तेज रफ्तार यात्री बस ने बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा है। यह घटना दरगाह थाना क्षेत्र के टांडा जलाल निवासी जगनमोहन के साथ हुई। वह दो महिलाओं, सकीना और मेसर जहां, के साथ बाइक से घर लौट रहे थे। मल्हीपुर मार्ग पर अशोक ईंट भट्टे के पास पहुंचते ही एक तेज रफ्तार बस ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में सकीना, मेसर जहां और जगनमोहन गंभीर रूप से घायल हो गए।

कोचिंग सेंटर में लगी आग से मचा हड़कंप, तीसरी मंजिल से जान बचाकर भागे छात्र–छात्राएं

संवाददाता–गोरखपुर। कोचिंग सेंटर में आग लगने से हड़कंप मच गया। छात्रसंघ भवन स्थित कबाड़ी गली में शनिवार को उस समय अफरा–तफरी मच गई, जब एक कोचिंग सेंटर की तीसरी मंजिल पर अचानक आग लग गई। आग लगते ही पूरे इलाके में धुआं फैल गया, जिससे वहां मौजूद छात्र–छात्राओं में हड़कंप मच गया। धुआं उठते देख छात्र–छात्राएं अपनी जान बचाने के लिए कोचिंग छोड़कर तुरंत बाहर की ओर भागे। कुछ ही देर में आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई और घटना की सूचना दमकल विभाग को दी गई।

सूचना मिलते ही दमकल की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। हालांकि तब तक कोचिंग सेंटर में रखा फ्रिज, कूलर, एसी सहित अन्य सामान जलकर खाक हो चुका था। प्राथमिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। फिलहाल किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। प्रशासन द्वारा मामले की जांच की जा रही है। बताया जा रहा है कि कोचिंग के सभी बच्चे और स्टाफ सही समय पर बाहर निकाल लिए गए। इसके बाद दमकल विभाग की टीम ने आग पर काबू भी पा लिया।

दमकल विभाग की टीम और पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद आग लगने के कारणों का पता चलेगा। अभी संभावना जताई जा रही है कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी होगी। इसी आग में बिजली के कई उपकरण और अन्य सामान जल गया है। आग लगने के समय कोचिंग क्लासेज चल रही थी और स्टाफ के साथ अंदर छात्र और छात्राएं भी मौजूद थे। तीसरी मंजिल से बच्चे और स्टाफ किसी तरह अपनी जान बचाकर भागे।

गोरखपुर के बेलीपार थाना क्षेत्र स्थित महावीर छपरा गांव में शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे बिजली के पोल पर हुए शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई। इस अग्निकांड में लगभग 15 एकड़ में फैली गेहूं की पराली और 4 कुंतल भूसा जलकर राख हो गया। ग्रामीणों की तत्परता से एक बड़ा हादसा टल गया। हल्का लेखपाल ऋषिकेश तिवारी ने मौके पर जांच के बाद बताया कि लगभग 15 एकड़ पराली और 4 कुंतल भूसा जला है। प्रभावित किसानों में सुदर्शन पासवान का लगभग 2 कुंतल भूसा, किशोर यादव का लगभग 1 कुंतल भूसा और संगम यादव का भी लगभग 1 कुंतल भूसा जल गया।

किसानों ने काफी मशक्कत के बाद शेष भूसे को बचाने में सफलता पाई। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि पास स्थित अभिषेक शाही का मकान भी इसकी चपेट में आने वाला था। इसके अतिरिक्त, बांसगांव–कुसमौल मार्ग पर स्थित एक पेट्रोल पंप और शराब की भट्ठी भी आग की चपेट में आने से बाल–बाल बच गए। ग्रामीणों और प्रशासन की कड़ी मशक्कत और सहयोग से इन स्थानों को सुरक्षित बचा लिया गया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया।

कपड़ा व्यवसायी से 17 लाख की लूट, असलहा के बट से किया घायल

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। जहांगीरगंज थाना क्षेत्र के बिड़हर पुलिस चौकी के निकट सुबह बदमाशों ने व्यापारी के सिर में असलहों की बट से मारने के बाद लगभग 17 लाख 40 हजार रुपए लूट लिया। लूट की वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाश फरार हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घेराबंदी कर सघन चेकिंग अभियान चलाया, लेकिन बदमाशों का पता नहीं चल सका। बताया जाता है कि कपड़ा व्यवसायी नेवारी दुराजपुर निवासी मोहम्मद रईस पुत्र हाजी अब्दुल समद शनिवार की सुबह बिहार प्रांत के बॉर्डर से तगादा के लगभग 17 लाख 40लाख रुपए लेकर अपने साथी जलाल अहमद निवासी मुंडेरा टांडा के साथ बाइक पर सवार होकर वापस घर आ रहे थे,कि बिड़हर पुलिस चौकी के निकट पहुंचने पर स्विफ्ट वीडीआई से बदमाशों ने पीछा करके बाइक चला रहे मोहम्मद रईस को रोक लिया।

इस दौरान बाइक के पीछे बैठे जलाल अहमद से रुपए वाला बैग छीनने का प्रयास किया।विरोध करने पर बदमाशों ने रईस के सिर पर असलहों की बटों से हमला कर घायल कर दिया। और रुपए वाला बैग लूट कर फरार हो गए। बैग में 17लाख 40 हजार रुपए थे। बैग में 11लाख रुपए नगदी व चेक रईस के थे, जबकि तीन लाख 90 हजार रुपए जलाल अहमद के थे। घटना के तुरंत बाद घायल एवं उसका साथी पुलिस चौकी पर पहुंचा तो चौकी पर कोई पुलिसकर्मी ही नहीं मिला। इधर लूट की घटना जंगल में आग की तरह फैल गयी। देखते ही देखते स्थानीय थाने के साथ अन्य थानों की पुलिस मौके पर पहुंची, और मामले की छानबीन किया।बताया गया है कि इसी छानबीन के दौरान ही पुलिस को एक संदिग्ध स्विफ्ट वीडीआई वाहन हँसवर थाना क्षेत्र में मिलने की सूचना हुई,जिस पर पहचान करने के लिए घायल के साथी को मौके पर ले जाया गया। पुलिस के मुताबिक मामले में अभी छानबीन की जा रही हैं। सीओ आलापुर प्रदीप कुमार चंदेल ने बताया कि बदमाशों की तलाश पुलिस टीम कर रही है। जल्द बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

आंबेडकर का पोस्टर फाड़ा और जलाया, जांच के बाद आरोपी सिपाही निलंबित

संवाददाता–गोरखपुर। गोला इलाके में 8 अप्रैल की रात में गश्त के दौरान एक आरक्षी द्वारा बाबा भीमराव आंबेडकर के पोस्टर को नुकसान पहुंचाने का मामला सामने आया है। इस घटना को संवेदनहीन और अनैतिक कृत्य मानते हुए पुलिस प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। मामले का संज्ञान लेते हुए पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) ने जांच कराई, जिसमें प्रथम दृष्टया आरोप सही पाए गए। इसके बाद संबंधित आरक्षी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। पुलिस विभाग ने स्पष्ट किया है कि इस प्रकरण में विभागीय कार्यवाही शुरू कर दी गई है और आगे की जांच जारी है।

गोला के बेवरी चौराहे पर डॉ. भीमराव आंबेडकर के पोस्टर को जलाने के मामले में थाने के सिपाही की भूमिका सामने आई है। जांच के बाद सिपाही को निलंबित कर दिया गया है। कार्रवाई की जानकारी मिलते ही मामला शांत हो गया। आंबेडकर जयंती की तैयारियों के तहत गोला इलाके में चौराहे पर पोस्टर लगाया गया था। आरोप है कि 8 अप्रैल की रात ड्यूटी पर तैनात सिपाही ने पोस्टर उतारकर उसे जला दिया। इस घटना का सीसीटीवी वीडियो फुटेज भी सामने आया, जिसके आधार पर मामला तूल पकड़ गया।

वीडियो सामने आने के बाद गुरुवार देर शाम बसपा और आजाद पार्टी के कार्यकर्ता सैकड़ों की संख्या में बेवरी चौराहे पर जुट गए और धरना–प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए दोषी सिपाही के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। सूचना पर पहुंचे सीओ दरवेश कुमार ने कार्रवाई का आश्वासन दिया था। मामले की जांच के बाद पुलिस प्रशासन ने सिपाही को दोषी पाते हुए शनिवार को निलंबित कर दिया है। साथ ही विभागीय कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है। अधिकारियों का कहना है कि जांच आगे भी जारी रहेगी और दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

उपनगर गोला में भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर का पोस्टर फाड़े जाने से नाराज बसपा व आजाद पार्टी के सैकड़ों कार्यकर्ता गुरुवार देर शाम बेवरी चौराहे पर जुट गए। उन्होंने धरना–प्रदर्शन करते हुए नारेबाजी की। क्षेत्राधिकारी दरवेश कुमार के आश्वासन के बाद प्रदर्शन समाप्त हुआ।बताया जा रहा है कि अंबेडकर जयंती की तैयारियों के तहत बेवरी चौराहे पर डॉ. आंबेडकर का पोस्टर लगाया गया था। गुरुवार सुबह पोस्टर गायब मिलने पर कार्यकर्ताओं ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। आरोप है कि फुटेज में बुधवार देर रात ड्यूटी पर तैनात एक सिपाही पोस्टर उतारकर जलाते दिखाई दे रहा है। इसकीजानकारी मिलते ही बसपा और आजाद पार्टी के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौके पर पहुंचे और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शन के दौरान पुलिस–प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई।

डा. वी.के. वर्मा ने खो–खो के विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत कर बढाया हौसला

–भारतीय बस्ती संवाददाता– बस्ती। शनिवार को पटेल एस. एम.एच. हास्पिटल एण्ड आयुष पैरा मेडिकल कालेज गोटवा के प्रबंधक वरिष्ठ चिकित्सक, समाजसेवी डा. वी.के. वर्मा ने खोखो इण्डिया खेल प्रतियोगिता में जूनियर नेशनल खिलाड़ी की विजेता खुशी वर्मा, रजत पदक विजेता अर्तिका मिश्रा और भार्गवी सिंह को प्रशस्ति पत्र, शील्ड और नकद सहयोग राशि देकर खिलाड़ियों का हौसला बढाया।

विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत करते हुये डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि इस बार खो–खो को इतनी बड़ी पहचान मिली है, जिससे स्थानीय खिलाड़ियों का मनोबल काफी बढ़ा है। यह जीत पारंपरिक खेलों के लिए एक नया सवेरा है। ग्रामीण प्रतिभाओं को सशक्त मंच मिली है। मिट्टी के मैदानों से निकलकर चमकने वाले खिलाड़ियों का संघर्ष सराहनीय है। यह जीत भारतीय खो–खो खिलाड़ियों के लिए न केवल सामाजिक बल्कि पेशेवर रूप से भी एक बड़ा प्रोत्साहन है।

इस अवसर पर खोखो एसोसिएशन के सचिव राम सिंह, रणजी खिलाड़ी वीरेन्द्र चौधरी आदि उपस्थित रहे।

कंबाइन पर हथियार लहराने वाले 2 गिरफ्तार

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। पुलिस ने रील मामलों में कार्रवाई करते हुए कंबाइन मशीन पर हथियार लहराने वाले दो युवकों को गिरफ्तार किया है। हालांकि, पुलिस जीप में रील बनाने और सड़क पर स्टंट करने के अन्य वीडियो पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इटवा थाना क्षेत्र में वायरल वीडियो के आधार पर पुलिस ने मनीष यादव (26) और मनोज त्रिपाठी (20) को 10 अप्रैल को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया।

दिनदहाड़े घर में घुसकर हिस्ट्रीशीटर ने बरसाईं गोलियां, ताबड़तोड़ फायरिंग में तीन घायल

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या के महराजगंज थाना क्षेत्र के दलपतपुर गाँव मे एक दिन पूर्व रास्ते से गाड़ी हटाने के विवाद मे दूसरे पक्ष के घर पर कार से जाकर हिस्ट्री शीटर ने ताबड़तोड़ फायर किया। जिसमें तीन लोग घायल हो गये जिनकी हालत सामान्य है। महराज थाना प्रभारी निरिक्षक राजेश सिंह ने बताया कि शुक्रवार को राजेश सिंह कार से कहीं जा रहे थे तो रास्ते मे गाँव के ही अखिल सिंह अपनी गड़ी से खड़े थे। गाड़ी हटाने मे अखिल सिंह को समय लग गया जिससे राजेश सिंह नाराज हो गया। हालांकि मामला शांत हो गया।

देर शाम राजेश सिंह अपने दोनों पुत्रों के साथ अखिल के घर पर जाकर गाली गलौज करने लगे। इस आशय का प्रार्थना पत्र महराजगंज मे दिया गया। क्योंकि रस्ते मे खड़ी गाड़ी भीम सिंह हिस्ट्रीसीटर की थी गाली गलौज की बात पर आक्रोश मे भीम सिंह अपने एक अन्य साथी के साथ कार से दूसरे पक्ष राजेश सिंह के घर पहुँच गया जहाँ बात चीत गाली गलौज मे बदल गयी इस दौरान दोनों हाथों मे पिस्टल लेकर भीम फायर करने लगा। ताबड़तोड़ आधा दर्जन फायर फायर करने के बाद आरोपी भीम सिंह अपने साथी कार चालक के साथ कार से बीच गांव होते हुए निकल गया किसी ने उसे रोकने की जुर्रत नहीं की।

प्रभारी निरिक्षक राजेश सिंह ने कई राउंड फायरिंग की बात स्वीकार करते हुए बताया कि एक गोली ऋषि सिंह पुत्र राजेश सिंह के बाये पैर की एड़ी मे लगी है हो सकता है कहीं से वापस आकर लगी हो। डॉ इंद्र जीत वर्मा सीएचसी प्रभारी मया ने बताया कि इस घटना से संबंधित तीन लोगों का मेडिकल उन्होंने किया है जिसमें ऋषि सिंह 19 को बाये पैर की एड़ी मे गोली लगी है जिन्हे एकसरे हेतु जिला अस्पताल भेजा गया है। जबकि अभिषेक सिंह 25 को सीने मे खरोंच आया है और महिला सिंह पत्नी राजेश सिंह को चेहरे पर चोट आयी है।

भीम जनपद अयोध्या का दुर्दान्त अपराधी बनता जा रहा है उसके विरुद्ध रुदौली रौनाही कैंट थाने मे गंभीर धाराओं मे मुकदमा पंजीकृत है जबकि थाना महराज गंज मे भी हत्या का मुकदमा दर्ज है जिसमें भीम जमानत पर बाहर है। वहीं यह भी बताया गया कि भीम दलपतपुर मे ननिहाल मे रह रहा है जबकि इसका मूल निवास सोहावल क्षेत्र मे हैं। प्रभारी निरिक्षक राजेश सिंह ने बताया कि भीम सिंह जनपद का बड़ा हिस्ट्री सीटर है वह अपना स्थान बदल बदल कर रहता है रुदौली मे अमहट उसका मुख्य स्थान है।

बताया जा रहा है कि राजेश सिंह गाँव से बहिष्कृत किये जा चुके है क्योंकि राजेश सिंह का पुत्र गाँव के ही एक संभ्रान्त परिवार की पुत्री से अपने बेटे की शादी रचा दिया है।

एसपी ने खलीलाबाद थाने का किया निरीक्षण

संवाददाता–संतकबीरनगर। अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह ने थाना कोतवाली खलीलाबाद का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने थाना परिसर, कार्यालय, अभिलेखों और पुलिस कार्यप्रणाली का गहनता से अवलोकन किया और आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। निरीक्षण के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक ने थाना कार्यालय में रखे अभिलेखों, अपराध रजिस्टर, महिला हेल्प डेस्क, पिंक बूथ, मालखाना, हवालात, शस्त्रागार और सीसीटीएनएस कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को अभिलेखों के उचित रख–रखाव और लंबित विवेचनाओं के शीघ्र निस्तारण के लिए निर्देश दिए। साथ ही, थाना परिसर की साफ–सफाई, सुरक्षा व्यवस्था और ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को अनुशासन बनाए रखने तथा आमजन के साथ विनम्र व्यवहार करने का भी निर्देश दिया गया।

महिला सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, पिंक बूथ और महिला हेल्प डेस्क की कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने पर विशेष जोर दिया गया। बीट पुलिसिंग को सुदृढ़ करने, अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु भी आवश्यक निर्देश दिए गए। उन्होंने थाना स्टाफ को सतर्कता, पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने तथा जनसमस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इस निरीक्षण के दौरान वरिष्ठ उपनिरीक्षक प्रमोद कुमार यादव सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

सार्वजनिक स्थल पर न दिखे कूड़ा, सौ फीसदी डोर टू डोर हो कलेक्शन

संवाददाता–गोरखपुर। स्वच्छ भारत मिशन, नगरीय शासन निदेशालय की सहायक निदेशक सविता शुक्ला ने कहा कि सार्वजनिक स्थान पर कहीं कूड़ा कचरा नहीं दिखना चाहिए। प्रत्येक वार्ड में डोर टू डोर सौ फीसदी कूड़ा संग्रहण सुनिश्चित किया जाए। सफाई व्यवस्था को इतना सुदृढ़ करें कि आम जनमानस को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। सविता शुक्ला, शनिवार अपराह्न गोरखपुर नगर निगम सभागार में गोरखपुर मंडल के सभी जनपदों से आए नगर निगम, नगर पालिकाओं एवं नगर पंचायतों से आए अधिशासी अभियंताओं के साथ स्वच्छ सर्वेक्षण 2025–26 की तैयारियों की समीक्षा कर रही थीं। उनके साथ तकनीकी सहयोग के लिए पीएफएमएस एक्सपर्ट अभय सिंह और ग्रीवांस रिड्रसल मैनेजर प्रवीण श्रीवास्तव उपस्थित रहे। बैठक की शुरुआत में नगर निगम गोरखपुर के जोनल अधिकारी रवि सिंह ने पुष्पगुच्छ भेंट कर औपचारिक स्वागत से किया।

सविता शुक्ला ने सभी समस्त अधिशासी अधिकारियों को एमआईएस डेटा एंट्री, पोर्टल पर आवश्यक डॉक्यूमेंटेशन और धरातल पर चल रही फील्ड गतिविधियों की गहन समीक्षा की। स्वच्छता रैंकिंग में सुधार के लिए जरुरी सुझाव एवं कड़े निर्देश दिए। तकनीकी सत्र में पीएफएमएस एक्सपर्ट अभय सिंह ने वित्तीय पारदर्शिता और पोर्टल प्रबंधन की जानकारी दी। प्रवीण श्रीवास्तव ने जन–शिकायतों के त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पर बल दिया। बैठक में अपर नगर आयुक्त प्रमोद कुमार, नगर निगम के सभी जोनल अधिकारियों, मुख्य सफाई निरीक्षक एवं सभी सफाई निरीक्षकों ने प्रतिभाग किया। अंत में सभी अधिकारियों ने अपने–अपने निकायों को कचरा मुक्त शहर बनाने और मंडल को रैंकिंग में शीर्ष स्थान दिलाने का सामूहिक संकल्प लिया।

नेपाल सीमा सुरक्षा का नया ब्लूप्रिंट तैयारः एसएसबी महानिदेशक संजय सिंघल ने की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। सीमावर्ती क्षेत्र में आयोजित एक उच्च स्तरीय 'सैनिक सम्मेलन' में एसएसबी महानिदेशक संजय सिंघल की मौजूदगी में सुरक्षा व्यवस्था की गहन समीक्षा की गई।

सिद्धार्थनगर में भारत–नेपाल की संवेदनशील सीमा पर सुरक्षा को मजबूत करने के लिए सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने एक नया सुरक्षा ब्लूप्रिंट तैयार किया है। शनिवार को सीमावर्ती क्षेत्र में आयोजित एक उच्च स्तरीय 'सैनिक सम्मेलन' में एसएसबी महानिदेशक संजय सिंघल की मौजूदगी में सुरक्षा व्यवस्था की गहन समीक्षा की गई। बैठक में सीमा प्रबंधन को उन्नत बनाने और जांच प्रणाली को अधिक पारदर्शी बनाने के लिए विस्तृत कार्ययोजना को अंतिम रूप दिया गया।डीआईजी गोरखपुर परिक्षेत्र मुन्ना सिंह ने बताया कि सीमा सुरक्षा के दूसरे चरण की शुरुआत की जा रही है। इसके तहत सीमाई रास्तों पर स्थायी चेक पोस्ट स्थापित किए जाएंगे, जिससे आवाजाही करने वालों की सघन जांच सुनिश्चित हो सके। उन्होंने यह भी बताया कि मादक पदार्थों और जाली नोटों की तस्करी रोकने के लिए डॉग स्क्वॉड की क्षमता बढ़ाई जा रही है, जिसके लिए दो अतिरिक्त प्रशिक्षित स्वान तैनात किए जाएंगे। डीआईजी मुन्ना सिंह ने कहा कि वर्तमान में सीमा श्डाइल्यूटेश्ड है, जिससे सुरक्षा चुनौतियां बनी हुई हैं। इनसे निपटने के लिए बॉर्डर इंट्रेक्शन टीम को और अधिक सक्रिय किया जाएगा। साथ ही, तकनीक आधारित निगरानी और श्स्मार्ट पेट्रोलिंग पर विशेष जोर दिया जाएगा।बैठक में आईजी (एसएसबी) लखनऊ रतन संजय, डीआईजी मुन्ना सिंह, कमांडेंट (50वीं वाहिनी) संजय कुमार, कमांडेंट (43वीं वाहिनी) उज्ज्वल दत्ता, पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर डॉ. अभिषेक महाजन, क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ मयंक द्विवेदी और नेपाल पुलिस के डीएसपी मोहन केसी सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। सहायक कमांडेंट (50वीं वाहिनी) संजय केपी, एसएसबी इंस्पेक्टर विनीत मान, पीआरओ नारायनलाल श्रीवास्तव, थानाध्यक्ष ढेबरुआ दुर्गा प्रसाद और चौकी इंचार्ज वीरेंद्र यादव समेत अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

इस दौरान सीमा क्षेत्र में सुरक्षा के मद्देनजर चप्पे–चप्पे पर एसएसबी और यूपी पुलिस के जवान मुस्तैद रहे। मानव तस्करी, मादक पदार्थों की तस्करी और राष्ट्र विरोधी गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए 'जीरो टॉलरेंस' नीति पर जोर दिया गया।

अधिकारियों ने बताया कि सुपरविजन, अपग्रेडेशन और जांच की व्यवस्था को इस कदर मजबूत किया जा रहा है कि सीमा से होने वाली अवैध गतिविधियों पर पूरी तरह अंकुश लगाया जा सके। सुरक्षा के इस दूसरे चरण में तकनीकी निगरानी और स्मार्ट पेट्रोलिंग पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है।

संदिग्ध हालात में दो मासूमों की मौत

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। नेपाल सीमा से सटे मोहाना थाना क्षेत्र के बगही गांव में शुक्रवार देर शाम एक ही परिवार के चार सदस्यों के अचानक बीमार पड़ने और दो मासूम बच्चों की मौत से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना संदिग्ध परिस्थितियों में हुई है, जिसे लेकर गांव में तरह–तरह की चर्चाएं हो रही हैं। गांव निवासी आलोक पांडेय सऊदी अरब में रहते हैं। उनकी पत्नी 32 वर्षीय सरिता पांडेय अपने तीन बच्चों और सास–ससुर के साथ गांव में रहती हैं। शुक्रवार शाम करीब सात बजे अचानक सरिता पांडेय और उनके तीनों बच्चे आठ वर्षीय प्राची पांडेय, चार वर्षीय श्रद्धा पांडेय और दो वर्षीय ओम पांडेय की तबीयत बिगड़ गई। स्वजन व ग्रामीण तत्काल सभी को इलाज के लिए सिद्धार्थनगर स्थित माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज ले जाने लगे। इसी दौरान रास्ते में ही प्राची और ओम ने दम तोड़ दिया, जबकि सरिता और श्रद्धा को अस्पताल में उपचार के बाद रेफर कर दिया गया।

शनिवार सुबह घर भेज दिया गया। दो मासूमों की मौत की खबर फैलते ही गांव में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी और घटना चर्चा का विषय बन गई। सूचना मिलने पर मोहाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। हालांकि आलोक के पिता 60 वर्षीय सविता नंदन पांडेय सहित परिवार के अन्य सदस्यों ने किसी भी प्रकार की कानूनी कार्रवाई और पोस्टमार्टम कराने से साफ इन्कार कर दिया। थानाध्यक्ष मोहाना जीतेन्द्र सिंह ने बताया कि सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी, लेकिन स्वजन की इच्छा के अनुसार आवश्यक लिखापढ़ी कर शव उन्हें सौंप दिया गया है।

फर्जी दस्तावेज से बनवाया पासपोर्ट, पहुंचा बैंकॉक, जांच में फर्जीवाड़ा उजागर

संवाददाता–संतकबीरनगर। एक युवक ने फर्जी दस्तावेजों के सहारे संतकबीरनगर जिले से पासपोर्ट बनवाया और बैंकॉक चला गया। क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय लखनऊ में शिकायत मिलने के बाद जांच शुरू हुई, जिसमें यह फर्जीवाड़ा उजागर हुआ। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। यह मामला तब सामने आया जब मऊ जिले के मोहम्मदाबाद गोहना निवासी मुसाफिर शर्मा ने मई 2025 में क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी कार्यालय लखनऊ को एक शिकायत पत्र भेजा। शिकायत में बताया गया कि गोरखपुर के गोला थाना क्षेत्र के सिधारी निवासी राकेश यादव पुत्र रामनवमी यादव ने कई पासपोर्ट बनवाए हैं, जिनमें से एक संतकबीरनगर से हरिकेश कुमार के फर्जी नाम–पते पर 26 फरवरी 2020 को जारी किया गया था, जिसकी वैधता 25 फरवरी 2030 तक है। शिकायत मिलने पर क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय लखनऊ ने प्रकरण की जांच के लिए पुलिस अधीक्षक (एसपी) संतकबीरनगर को पत्र भेजा। एसपी संदीप कुमार मीना ने इस जांच की जिम्मेदारी अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) सुशील कुमार सिंह को सौंपी। एएसपी सुशील कुमार सिंह की जांच में पता चला कि पासपोर्ट हरिकेश कुमार पुत्र रामनवमी के नाम से ग्राम कसैला, पोस्ट पचपुआपार, थाना कोतवाली खलीलाबाद, जिला संतकबीरनगर के पते पर बना था। हालांकि, कसैला गांव में पूछताछ करने पर इस नाम का कोई व्यक्ति नहीं मिला। स्थानीय वार्ड सभासद ने भी हरिकेश कुमार को पहचानने से इनकार कर दिया। एएसपी सुशील कुमार सिंह के अनुसार, शिकायत पत्र में दिए गए पासपोर्ट धारक के दूसरे पते, ग्राम सिधारी, थाना गोला, जनपद गोरखपुर के राकेश यादव पुत्र रामनवमी के संबंध में भी पूछताछ की गई। पासपोर्ट पर लगी तस्वीर से पहचान कराई गई, जिसमें ग्रामीणों ने पुष्टि की कि 35 वर्षीय राकेश यादव पुत्र रामनवमी यादव सिधारी गांव के ही निवासी हैं। ग्राम प्रधान ने भी इस संबंध में लिखित पुष्टि दी।

इस फर्जीवाड़े के उजागर होने के बाद चौकी इंचार्ज ने स्वयं वादी बनकर आरोपी राकेश यादव के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। पुलिस का मानना है कि मामले की गहन विवेचना से इसमें शामिल बिचौलियों का भी खुलासा हो सकता है। जांच में पता चला कि वह वर्तमान में बैंकाक में है। राकेश व उनके भाई का परिवार गोरखपुर में रहता है। इनके बड़े भाई पैरामिलिट्री में सर्विस करते हैं। जबकि इनकी खेती गांव के लोग हुंडा और बटैया करते है। वर्तमान में इनके घर पर ताला बंद है। इनकी माता का नाम सावित्री देवी और पत्नी का नाम सरिता देवी है। कोतवाली पुलिस की जांच में आवेदक के जरिए निवास प्रमाण पत्र के रूप में संलग्न निर्वाचन कार्ड सत्यता की जांच में फर्जी पाया गया। जांच में हरिकेश पुत्र रामनवमी एवं राकेश पुत्र रामनवमी दोनों एक ही व्यक्ति है।

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्मुखी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।

मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल **bhartiyabasti@gmail.com**
dainikbhartiyabasti@gmail.com